● वर्ष-2
● अंक-250
रायपुर, शनिवार
10 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

# संघ ने भाजपा को दी चुनावी नसीहतें

## मुखपत्र आर्गनाइजर में कर्नाटक चुनाव में भाजपा को मिली हार का विश्लेषण किया गया

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर के जरिए भारतीय जनता पार्टी को बड़ी नसीहत दी है। ऑर्गनाइजर ने अपने संपादीय में लिखा है कि भाजपा को आगे भी चुनाव जीतते रहना है तो सिर्फ मोदी मैजिक और हिंदुत्व का चेहरा काफी नहीं होगा। यही नहीं, इस संपादकीय के जरिए संघ ने कर्नाटक में भाजपा की हार का कारण भी बताया है।

अगले साल देश में लोकसभा का चुनाव होना है। इसके पहले पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इनमें मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, मिजोरम और राजस्थान शामिल हैं। मध्य प्रदेश में अभी भाजपा की सरकार है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सत्ता है। तेलंगाना में बीआरएस और मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में है। इन चुनावों के बीच, संघ के मुखपत्र में छपे इस लेख ने सियासी गलियारे में खलबली मचा दी है।

### मुखपत्र में क्या-क्या लिखा है?

आरएसएस ने अपने मुखपत्र आर्गनाइजर में एक संपादकीय प्रकाशित किया। इसमें कर्नाटक चुनाव में भाजपा को मिली हार का विश्लेषण किया गया। ये संपादकीय ऑर्गनाइजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने लिखी है। इसमें कर्नाटक चुनाव का जिक्र किया गया है। कहा गया कि कर्नाटक में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्र में सत्ता संभालने के बाद पहली बार भाजपा को विधानसभा चुनाव में भ्रष्टाचार के आरोपों का बचाव करना पड़ा है। 14 मंत्री चुनाव हार गए। ये चिंता का विषय है।

संपादकीय में आगे लिखा गया है कि जब राष्ट्रीय स्तर के नेतृत्व की भूमिका न्यूनतम होती है और चुनाव अभियान स्थानीय स्तर पर रखा जाता है तो कांग्रेस को फायदा होता है। परिवार द्वारा संचालित पार्टी ने राज्य स्तर पर एक एकीकृत चेहरा पेश करने की कोशिश की और 2018 के चुनावों की तुलना में पांच प्रतिशत अतिरिक्त वोट हासिल किए।

संपादकीय में लिखा गया है कि केवल पीएम मोदी के चेहरे और हिंदुत्व के बल पर भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती है। भाजपा को स्थानीय स्तर पर नए नेताओं को आगे लाना होगा। केंद्र से तालमेल बिठाकर काम करना होगा, तभी विधानसभा चुनावों में भाजपा को जीत मिल सकती है। संपादकीय में पीएम मोदी की सत्ता के नौ वर्षों की उपलब्धियों की प्रशंसा की है। इसमें लिखा है, 2014 में, भारत में अधिकांश लोगों ने लोकतंत्र में विश्वास खो दिया था। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ उन आकांक्षाओं के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कई मोर्चों पर काम किया है।ऑर्गनाइजर में लिखा गया है, %बीजेपी नेतृत्व ने चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दों को लाने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दे को नहीं छोड़ा। कांग्रेस की जीत का सबसे बड़ा कारण यह ही है।% आगे कहा गया है कर्नाटक चुनाव में जातीय मुद्दों के जरिए वोट को जुटाने का प्रयास हुआ, लेकिन ये राज्य टेक्नोलॉजी का हब है। ऐसे में ये चिंता का विषय है।

### कांग्रेस ने क्या कहा?

संघ के इस संपादकीय पर कांग्रेस का भी बयान आया है। भाजपा को लेकर संघ द्वारा दी गई नसीहत पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस ने स्वीकार किया कि कर्नाटक के लोगों ने पीएम नरेंद्र मोदी को नकार दिया है। वो लोग जो पीएम मोदी का महिमांडन करते हैं, उन्हें इससे सबक लेना चाहिए।

### संघ की इस नसीहत के क्या हैं सियासी मायने?

इसे समझने के लिए हमने राजनीतिक विश्लेषक प्रो. अजय कुमार सिंह से बात की। उन्होंने कहा, %संघ ने उदाहरण भले ही कर्नाटक चुनाव का दिया हो, लेकिन इशारा हाल के दिनों में हुए सभी राज्यों के चुनाव पर है। संघ इसके जरिए 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा को आगाह करने की कोशिश कर रहा है। ताकि, जो चूक कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में भाजपा से हुई है वो आगे न हो। संघ ने अपने इस संपादकीय से भाजपा को तीन बड़े संदेश दिए हैं।

**नए नेतृत्व को तैयार करना:** संघ ने कहा है कि मोदी का नाम हर चुनाव में इस्तेमाल करना ठीक नहीं है। मोदी के नाम पर कब तक भाजपा चुनाव लड़ती रहेगी? इसलिए पार्टी को स्थानीय चेहरों की तलाश करनी चाहिए। स्थानीय स्तर पर नए चेहरों को मजबूत करना चाहिए और उन्हें जिम्मेदारियां दी जानी चाहिए। नए चेहरों के आने से पार्टी में लीडरशिप की नई जनरेशन तैयार होगी, जिससे आने वाले दिनों में पार्टी को फायदा होगा।

**चुनावों में राष्ट्रीय की जगह क्षेत्रीय मुद्दों को अहमियत दी जाए:** ये दूसरा बड़ा संदेश है। आमतौर पर भाजपा हर चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दों को आगे करती है। कई जगह इसका फायदा मिलता है, लेकिन कई बार नुकसान भी उठाना पड़ा है।

**भ्रष्टाचार पर सतर्क होना पड़ेगा:** 2014 में पीएम मोदी ने पूरा चुनाव ही भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लड़ा था। तब पार्टी को बड़ी जीत मिली थी। आज भी ये मुद्दा भाजपा के कोर एजेंडे में रहता है। वहीं, दूसरी ओर कर्नाटक में सत्ता में रहते हुए भाजपा सरकार पर कई तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लगे। कांग्रेस अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश करेगी। ऐसे में भाजपा शासित सभी राज्यों में विशेष तौर पर इसका ख्याल रखना होगा। भ्रष्टाचार का दाग जिन नेताओं पर लगा है, उनसे दूरी बनानी होगी।

## इन दिनों

✍ नीरज कुमार

# दिल्ली की गद्दी का रास्ता यूपी से होकर जायेगा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वो काम कर दिखाया है जो इससे पहले विपक्ष के तमाम नेता नहीं कर पाये थे। देश में सबसे बड़े मोदी विरोधी के रूप में अपनी पहचान बनाने को आतुर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन तमाम विपक्षी पार्टियों के नेताओं को एक मंच पर लाने में सफलता हासिल कर ली है जो इससे पहले तक तरह-तरह के कारणों के चलते एक साथ और एक मंच पर नहीं आते थे। लेकिन नीतीश ने विपक्षी नेताओं को एक करने के लिए जो देश भ्रमण अभियान शुरू किया था उसके अपेक्षित परिणाम सामने आये हैं। बिहार में सत्तारुढ़ महागठबंधन की ओर से बताया गया है कि राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, मल्लिकार्जुन खरगे, एमके स्टालिन, हेमंत सोरेन, अखिलेश यादव, शरद पवार और उद्धव ठाकरे आदि सभी बड़े विपक्षी नेता 23 जून को पटना में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा नीतीश कुमार, लालू यादव और वामदलों के नेता तो इस बैठक में मेजबान की भूमिका में रहेंगे ही। विपक्षी दलों के बीच इस बात पर लगभग सहमति बन गयी है कि देश की 543 संसदीय सीटों में से 450 पर विपक्षी दलों का संयुक्त उम्मीदवार भाजपा उम्मीदवार से टक्कर लेगा। विपक्ष का पूरा प्रयास है कि भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा किसी भी हालत में नहीं होने पाये इसके लिए किसी दल को यदि कुछ त्याग भी करना पड़े तो वह भी किया जायेगा। बताया जा रहा है कि कांग्रेस की ओर से कम से कम 350 संसदीय सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की बात पर अड़े रहने की वजह से विपक्षी एकता में दिक्कत आ रही थी लेकिन अब कांग्रेस भी कुछ और त्याग करने के लिए राजी हो गयी है। अभी हाल ही में अपने अमेरिकी दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में स्पष्ट कर दिया था कि भाजपा और आरएसएस को हराने के लिए कांग्रेस को और बड़ा त्याग करना होगा तो वह करेगी। वर्तमान में भाजपा के पास अकेले दम पर लोकसभा में 301 सीटें हैं। विपक्ष का प्रयास है कि अगली लोकसभा में 450 सीटें जीत कर भाजपा को विपक्ष का दर्जा हासिल करने लायक भी नहीं छोड़ा जाये। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता के लिए यह फॉर्मूला पहले ही दे चुकी हैं कि जिस राज्य में जो दल मजबूत है उसको बाकी विपक्षी दल अपना पूरा समर्थन दें ताकि भाजपा का पूरी ताकत के साथ मुकाबला किया जा सके। लेकिन इस फॉर्मूले से सबसे ज्यादा दिक्कत कांग्रेस को ही है। दरअसल कांग्रेस का राष्ट्रीय स्तर पर आधार है और कई राज्यों में उससे क्षेत्रीय दलों ने ही सत्ता छीन ली है। ऐसे में कांग्रेस के लिए यह बड़ा मुश्किल हो रहा है कि कैसे वह दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी के समक्ष समर्पण कर दे, कैसे वह तेलंगाना में बीआरएस, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा, बिहार में जनता दल युनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल और तमिलनाडु में द्रमुक आदि के समक्ष समर्पण कर दे। वैसे कांग्रेस की केंद्रीय इकाई भले इस समर्पण के लिए राजी हो गयी है लेकिन उसकी प्रांतीय इकाइयां ऐसे किसी समझौते के विरोध में हैं।

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि हल्बा-हल्बी समाज का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली है। उन्होंने कहा कि हल्बा समाज की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी हैं, इस तरह यह समाज मातृ शक्ति का अनुयायी समाज है। उन्होंने कहा कि हल्बा समाज अत्यंत प्राचीन एवं विस्तृत समाज है। श्री बघेल आज बालोद जिले की इस्पात नगरी दल्लीराजहरा के फुटबॉल ग्राउण्ड में आयोजित अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी समाज के 83 वें स्थापना दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे।

# प्रियंका गांधी का कांग्रेस में बढ़ेगा कद

- हिमाचल-कर्नाटक में जीत के बाद बड़ी भूमिका देने की तैयारी में पार्टी

**नईदिल्ली।** हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में प्रचंड जीत के बाद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को 2024 में अगले आम चुनाव से पहले पार्टी में एक बड़ी भूमिका मिल सकती है। वर्तमान में प्रियंका उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव हैं। सबसे महत्वपूर्ण राज्य में पार्टी के भाग्य को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से उन्हें 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्य का प्रभार दिया गया था। खबर के मुताबिक प्रियंका गांधी वाड्रा इस साल के अंत में होने वाले चुनावों में पार्टी के अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं,

खासकर तेलंगाना और मध्य प्रदेश में।

### यहां होंगे प्रियंका के दौरे

सूत्रों ने बताया कि प्रियंका गांधी पहले ही तेलंगाना में एक रैली कर चुकी हैं और उनके 12 जून को मध्य प्रदेश में एक रैली को संबोधित करने की उम्मीद है, जहां वह महिलाओं को 1,500 रुपये की आय गारंटी के पार्टी के वादे को आगे बढ़ा सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि उनके छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर प्रचार करने की भी संभावना है। महिला संवाद (महिला मंच), एक विचार जिसे उन्होंने पिछले साल उत्तर प्रदेश के चुनाव में महिलाओं के आसपास केंद्रित कर लागू किया था, वह हाल के कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस के अभियान का भी हिस्सा था।

### पार्टी थिंक टैंक का दावा

पार्टी के थिंक टैंक का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनकी मौजूदगी को सिर्फ एक राज्य तक सीमित रखना ठीक नहीं है। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी उन्हें अहम भूमिका दी जा सकती है। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि सभी ने देखा है कि कैसे प्रियंका वाड्रा ने अपने भाई के साथ हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में रैलियां कीं और वहां कांग्रेस के लिए प्रचार किया, जिससे जीत मिली। हालांकि, इस संबंध में अंतिम फैसला राहुल गांधी के अमेरिका दौरे से भारत लौटने के बाद ही लिया जाएगा।

### यूपी की जिम्मेदारी किसी और को

सूत्रों ने कहा कि अगर प्रियंका वाड्रा को उत्तर प्रदेश के प्रभारी के रूप में उनकी भूमिका से मुक्त किया जाता है तो उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत, अनुभवी तारिक अनवर, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह और दीपेंद्र हुड्डा के नामों पर विचार किया जा सकता है। उन्हें 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्य का प्रभार दिया गया था। हालाँकि, प्रियंका वहाँ कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर सकीं और केवल एक सीट, रायबरेली जीतीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ दो सीटें ही जीत सकी थी।

## प्रमुख समाचार

### सादे समारोह में हुई वित्त मंत्री की बेटी की शादी

**नईदिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बेटी परकला वांगमयी ने गुरुवार को कर्नाटक में एक साधे समारोह में शादी की। शादी में करीबी दोस्त और परिवार के लोग ही शामिल हुए थे। शादी में हिंदू विवाह रीति-रिवाजों का पालन किया गया था। उडुपी अदामरू मठ के संत भी इस अवसर पर उपस्थित थे। खबरों के मुताबिक, बेंगलुरु के एक निजी होटल में आयोजित शादी समारोह में किसी भी राजनीतिक मेहमान को आमंत्रित नहीं किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल करीबी रिश्तेदारों को ही आमंत्रित किया गया था। दोशी गुजरात के रहने वाले हैं और पीएमओ में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में काम करते हैं। उन्हें जून 2019 में संयुक्त सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया था। दोशी 2014 में पीएमओ में चले गए जब नरेंद्र मोदी पहली बार पीएम बने। उन्हें जून 2019 में संयुक्त सचिव के पद पर पीएमओ में ओएसडी के रूप में नियुक्त किया गया था जब मोदी दूसरे कार्यकाल के लिए पीएम बने थे।

### पीएम मोदी की डिग्री पर फिर कोर्ट पहुंची आप

**नईदिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मार्च में अपने आदेश की समीक्षा के लिए गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया है। अहमदाबाद की एक अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री

अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री के संबंध में व्यंग्यपूर्ण और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में 13 जुलाई को अदालत के समक्ष पेश होने को कहा है। न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव की अदालत ने शुक्रवार को मामले को स्वीकार किया और प्रतिवादी गुजरात विश्वविद्यालय, भारत संघ, मुख्य सूचना आयुक्त और तत्कालीन सीआईसी आयुक्त प्रोफेसर एम श्रीधर आचार्युलु को नियम जारी किया। उम्मीद है कि अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 30 जून को करेगी। 31 मार्च को गुजरात हाई कोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग के उस आदेश को निरस्त कर दिया।

### सचिन पायलट की नई पार्टी अफवाहः केसी वेणुगोपाल

**नईदिल्ली।** राजस्थान की राजनीति में हलचल तेज है। राजस्थान में कांग्रेस को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही है। खबर यह भी है कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच

लगातार टकराव की खबर रही है। खबर यह है कि सचिन पायलट 11 जून को राजस्थान में नई पार्टी का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, कांग्रेस लगातार इस खबर को खारिज करती रही है। कांग्रेस ने एक बार फिर से इस खबर को पूरी तरह अफवाह बताया है और कहा है कि हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी, केसी वेणुगोपाल ने सचिन पायलट की 11 जून को एक नई पार्टी की घोषणा करने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता। ये सब अफवाहें हैं। उन्होंने कहा कि मेरी जानकारी में राजस्थान में ऐसा कुछ नहीं होने जा रहा है।

### हाई कोर्ट ने पंचायत चुनाव निष्पक्ष कराने का दिया निर्देश

**नईदिल्ली।** कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग को अगले महीने होने वाले पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने का निर्देश दिया। इसने स्टेट इलेक्शन कमीशन को 8 जुलाई को होने वाले चुनावों के दौरान केंद्रीय बलों को तैनात करने और नामांकन दाखिल करने की अवधि बढ़ाने के बारे में सोचने का भी आदेश दिया। कांग्रेस और भाजपा सहित विपक्षी दलों ने पंचायत चुनावों के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती और नामांकन दाखिल करने के लिए अधिक समय की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। एसईसी के कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करना शुक्रवार से शुरू होना है और 15 जून तक चलेगा और पंचायत चुनाव 8 जुलाई को होंगे। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि नामांकन दाखिल करने के लिए दिया गया समय पर्याप्त नहीं है क्योंकि बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को केवल सात दिनों में 60,000 से अधिक सीटों के लिए नामांकन दाखिल करना होगा।

### इमरान के कोर्ट मार्शल की तैयारी, पूर्व प्रधानमंत्री ने किया खुलासा

**नईदिल्ली।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि देश की सर्वशक्तिशाली सेना द्वारा नौ मई की हिंसा के मास्टरमाइंड और योजनाकारों पर सैन्य

अदालतों में मुकदमा चलाने का संकल्प लेने के बाद उनके कोर्ट मार्शल के लिए मंच तैयार कर दिया गया है। उनकी यह टिप्पणी आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह द्वारा खान पर 9 मई को भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद भड़की देशव्यापी हिंसा की योजना बनाने का आरोप लगाने के एक दिन बाद आई है। 70 वर्षीय पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख ने दो याचिकाओं और आठ नई जमानत याचिकाओं सहित 10 अलग-अलग मामलों के संबंध में गुरुवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के सामने पेश होने के बाद पत्रकारों से बात की। जानता था कि एक सैन्य अदालत द्वारा उसकी कोशिश की जाएगी। उन्होंने सैन्य अदालत में एक नागरिक के मुकदमे को पाकिस्तान में लोकतंत्र का अंत और न्याय का अंत करार दिया।

## न्यायालय परिक्रमा

# गुजरात हाईकोर्ट ने कही मनुस्मृति पढ़ने की बात

**नईदिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक के वीकली राउंड अप में इस सप्ताह कानूनी खबरों के लिहाज से काफी उथल-पुथल वाला रहा है। जहां मथुरा कृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दाखिल की। वहीं दो हजार रुपये का नोट बदलने के खिलाफ याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से इनकार कर दिया है। हज से जुड़े सरकार के एक फैसले पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। पीएम मोदी की डिग्री पर घिरे केजरीवाल को अदालत से बुलावा आया है। ऐसे में आज आपको सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक इस सप्ताह यानी 05 जून से 09 जून 2023 तक क्या कुछ हुआ। कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

### कृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में कैविएट याचिका

मथुरा कृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। हिंदू पक्ष ने कोर्ट में कैविएट याचिका दाखिल की है। ये कैविएट याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर दाखिल की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 26 मई को कृष्ण जन्मभूमि के टाइटल सूट के सभी मामलों को अपने पास ट्रांसफर करने का फैसला किया था। कैविएट याचिका में हिन्दू पक्ष ने कहा है कि अगर हाईकोर्ट के फैसले को मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देती है तो सुप्रीम कोर्ट बिना हिन्दू पक्ष को सुने कोई आदेश पारित न करे।

### हज से जुड़े सरकार के किस फैसले पर लगी रोक

दिल्ली हाई कोर्ट ने कई हज समूह आयोजकों के पंजीकरण प्रमाणपत्र और कोटा के निलंबन पर रोक लगाते हुए कहा है कि मुसलमानों के लिए हज केवल एक छुट्टी भर नहीं है, बल्कि अपने धर्म और आस्था का पालन करने का एक जरिया भी है, जो एक मौलिक अधिकार है। केंद्र सरकार ने हाजियों के लिए टूर ऑपरेटर के रूप में काम करने वाले कुछ हज समूह आयोजकों (एचजीओ) का पंजीकरण और कोटा पिछले महीने उस समय निलंबित कर दिया था, जब ये समूह विभिन्न आधारों के चलते अपात्र पाए गए थे। इन आधारों में उन तथ्यों को जानबूझकर गलत रूप से पेश किया जाना भी शामिल है, जिनके कारण इन्हें पहले स्थान पर एचजीओ के तौर पर पंजीकृत दिया गया था।

### गुजरात हाईकोर्ट ने क्यों कहा- मनुस्मृति पढ़ें

गुजरात हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने गर्भपात की अनुमति के लिए दायर नाबालिग बलात्कार पीड़िता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि एक समय युवावस्था में लड़कियों की शादी होना और उनके 17 साल की उम्र से पहले संतान को जन्म देना आम बात थी। आप इसे नहीं पढ़ेंगे, लेकिन इसके लिए एक बार मनुस्मृति पढ़ें। न्यायमूर्ति समीर दवे ने संकेत दिया कि अगर लड़की और भ्रूण दोनों स्वस्थ हैं, तो हो सकता है कि इस याचिका को स्वीकृति न प्रदान की जाए। उन्होंने सुनवाई के दौरान मनुस्मृति का भी जिक्र किया। बलात्कार पीड़िता की आयु 16 साल, 11 महीने है और उसके गर्भ में सात महीने का भ्रूण पल रहा है। पीड़िता के पिता ने गर्भपात की अनुमति के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, क्योंकि गर्भावस्था की अवधि 24 सप्ताह से ज्यादा हो गई है। इस अवधि के पार हो जाने के बाद अदालत की अनुमति के बिना गर्भपात नहीं कराया जा सकता है।

# सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए जाना जायेगा मोदी का कार्यकाल : संदीप शर्मा

## संयुक्त मोर्चा सम्मेलन मे जुटे सैकड़ों भाजपाई, अजा, अजजा और पिछड़ा वर्ग का रखा गया खास ख्याल : रंजना साहू

**धमतरी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वर्णिम कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा देश भर मे महीने भर तक विशेष महाजनसंपर्क अभियान चला रही है । इस अभियान के अंतर्गत लोकसभा एवं विधानसभा स्तर पर अनेक बड़े सम्मेलन और प्रवास के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। धमतरी जिले मे मंगलवार को संयुक्त मोर्चा सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस सम्मेलन मे पार्टी ने अपने सभी सातों मोर्चों के जिले एवं मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया । सम्मेलन मे मुख्य वक्ता के रूप मे पहुंचे भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि मोदी जी के 9 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यों के लिए सदैव याद रखा जायेगा । 140 करोड़ देशवासियों का मुफ्त टीकाकरण सेवा का सबसे बड़ा कार्य है, देश मे दंगों मे कमी आना, कश्मीर जैसे राज्य से आतंकवाद का सफाया होना और केंद्र सरकार पर 9 साल मे भ्रष्टाचार का एक भी आरोप न लगना सुशासन की मिसाल है। देश के 80 करोड़ लोगों को 3 वर्ष से मुफ्त राशन उपलब्ध कराना गरीब कल्याण का सबसे बड़ा काम है । मोदी जी ने सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम किया । 11 करोड़ किसानों के खातों मे किसान सम्मान निधि के रूप मे प्रतिवर्ष 70000 करोड़ सीधे ट्रांसफर करना, 3 करोड़ प्रधानमंत्री आवास, 40 करोड़ मुद्रा लोन, 10 करोड़ एलपीजी कनेक्शन, 3 करोड़ घरों मे बिजली पहुंचाना, 12 करोड़ शौचालय, 12 करोड़ नल से घर तक जल पहुंचाना जैसे काम, 37 करोड़ लोगों को आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा की सुरक्षा प्रदान करना, किसानों को फसल बीमा उपलब्ध कराना, एम एस पी दो गुना से अधिक करना, खाद सब्सिडी मे 3 गुना वृद्धि इत्यादि ऐसे कार्य हैं जो पिछले 60 सालों मे नही हुए थे वो 9 वर्ष मे मोदी जी ने कर दिखाया। अल्पसंख्यकों को छात्रवृत्ति, स्व रोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराना, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग बनाकर उसको संवैधानिक दर्जा प्रदान करना, करोड़ो युवाओं को कौशल उन्नयन के माध्यम से प्रशिक्षित करना, मुद्रा लोन के माध्यम से स्वरोजगार का अवसर प्रदान करना, 70 हजार से अधिक मेडिकल की सीटें बढ़ाना, 23 एम्स, 7 आई आई टी, 7 नये आई आई एम बनाना । महिलाओं को संपत्ति का अधिकार दिलाना,




उन्हे आत्मनिर्भर बनाना। मोदी जी देश का सर्वांगीण विकास किया।

विधायक रंजना साहू ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार मे अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग तथा पिछड़ों का खास ख्याल रखा। केंद्रीय मंत्री मंडल मे 60 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व दिया । प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना के तहत 29 करोड़ लोग लाभांवित हुए । जीवन ज्योति बीमा योजना से लाखों करोड़ो परिवार बरबाद होने से बचे। महिलाओं को कोविड महामारी के समय सीधे आर्थिक मदद प्रदान की। मनरेगा के तहत लाखों परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया। उज्वला योजना से महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर दिया । भाजपा जिलाध्यक्ष शशि पवार ने अपने उद्बोधन मे कहा कि मोदी जी का 9 वर्ष मे अनेक गौरवशाली कार्य किये । काश्मीर से धारा 370 और 35 हटाया, लोकतंत्र की स्थापना की। काश्मीर जैसे राज्य मे पंचायतों के सफल चुनाव कराये। सदियों से तम्बू मे रह रहे प्रभु श्री राम के भव्य एवं दिव्य मन्दिर का काम शुरू कराया। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और डोकलाम जैसे सैन्य पराक्रम दिखा कर विश्व को भारत की शक्ति का एहसास दिलाया । श्री पवार ने महीने भर चलने वाले इस महाजनसंपर्क अभियान को लोकसभा और विधानसभा चुनावों मे महाविजय का अभियान बताया।

सम्मेलन मे प्रदेश मंत्री रामु रोहरा, अभियान के जिला संयोजक कविन्द्र जैन, संयुक्त मोर्चा सम्मेलन के प्रभारी प्रितेश गाँधी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा के जिला महामंत्री रोहिताश मिश्रा ने किया। आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष विजय साहू ने किया । सम्मेलन मे प्रमुख रूप से अर्चना चौबे, अरविंदर मुंडी, श्यामा साहू, हेमलता शर्मा, महेंद्र पंडित, चेतन हिंदुजा, हेमंत माला, बीथिका विश्वास, विजय साहू, हेमंत चंद्राकर, उमेश साहू, मुरारी यदु, धनीराम सोनकर, नरेन्द्र रोहरा, भगत यादव, कैलाश सोनकर, चंद्रकला पटेल, खिलेश्वरी किरण, सरला जैन, महेंद्र नेताम, सुमिता पंजवानी, रेशमा शेख, खुबलाल ध्रुव, दमयंतीन साहू, विजय मोटवानी, जय हिंदुजा, अमित अग्रवाल, राकेश चंदवानी, संतोष तेजवानी, सूरज शर्मा, प्रतीक चौबे, देशांत जैन, ऋषभ देवांगन, रिटिका यादव, मोनिका देवांगन, संगीता जगताप, पवित्रा दीवान, अनिता यादव, ईश्वरी नेताम, प्राची सोनी, सुशीला तिवारी, जागेश्वर साहू, तारेंद्र चंद्राकर, अखिलेश सोनकर, निलेश लुनिया, कोमल यदु, जितेंद्र पटेल, संत राम साहू, संत किरण, खिलावन चंद्राकर, रामखिलावन कंवर, अज्जु देशलाहरे, हरिओम, अशोक साहू, राकेश साहू, जगेश्वरी साहू, राकेश सिन्हा, गोविंद ढिल्लों, भेष साहू, उमेंद् सिन्हा, गीतेश्वरि सिन्हा, अमन राव, दीनू गेडाम, नम्रता पावर, रुकमणि सोनकर, नील पटेल, पिंकू साहू, केशव साहू, रोशन ध्रुव, बसंत मीनपाल, चिरोंजी साहू, अविनाश दुबे, अजय गर्डिया, भागवत यादव, इतवारी गावस्कर, प्रकाश पाटले, श्यामा साहू, मिथिलेश सिन्हा, श्यामलाल नेताम, रीतू बनपेला, गीता शर्मा, देवेश अग्रवाल, उमेश साहू, देवनारायण, भीमसेन साहू, सरिता यादव, नीतू त्रिवेदी, जितेंद्र पटेल, आकाश पांडे, कीर्तन मीनपाल, परमेश्व साहू, साकेत साहू, संकेत बरडिया, नरसिंह देव, युवराज निषाद, दयाराम सिन्हा, नरेश यादव, महेश साहू, रमाकांत नेताम, लेखराम नेताम, डॉ गजेंद्र साहू, डॉ रामायण साहू, अर्जुन राव घाटगे, कौशल साहू, रामकुमार पटेल, भोलाराम, पंचुराम, अग्रवाल साहू, सोहनलाल, देवेंद्र कुमार, सरोज यादव, रामकृष्ण ध्रुव, सरोज देवांगन, मयाराम यादव, चतुर्भुज हिरवानी, छबिन्द्र सोनी, जगदीश जोशी सहित बड़ी संख्या मे मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

# छत्तीसगढ़ में दो नहीं, दस हजार करोड़ का हुआ शराब घोटाला : सरोज पांडेय

**कोरबा।** भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सदस्य व महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरोज पांडेय ने कहा कि भूपेश सरकार ने शराब बंदी को लेकर गंगाजल की कसम खाई थी, लेकिन छत्तीसगढ़ में दो हज़ार नही बल्कि दस हज़ार करोड़ का शराब घोटाला हुआ है। भूपेश सरकार में कोरोना काल में दवा बाद में मिलती थी पर शराब आनलाइन बेची जा रही थी जो तत्काल उपलब्ध होती थी। कांग्रेस सरकार ने शराब घटाले के साथ ही अब कांग्रेस सरकार के गौठान को लेकर भी बड़ा भ्रष्टाचार सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकना है इसके लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर में जमकर मेहनत करना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा द्वारा विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कटघोरा विधानसभा में ग्राम पंचायत धवईपुर में विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रामपुर विधायक ननकी राम कंवर, जिलाध्यक्ष डा राजीव सिंह, राज्य खाद्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्योति नंद दुबे, पूर्व संसदीय सचिव लखनलाल देवांगन व पूर्व




महापौर जोगेश लांबा, गोपाल साहू, दिनेश सिंह, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन गर्ग, श्यामलाल मरावी व अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष व जनपद सदस्य राम प्रसाद कोराम जिला महामंत्री संतोष देवांगन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पांडेय ने मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि मोदी सरकार के नौ साल गरीब कल्याण को समर्पित हैं। उन्होंने हर वर्ग के लिए योजनाएं बनाईं और उस तक पहुंचाई। केंद्र सरकार गरीब, शोषित, वंछित, दलित, पीड़ित, पिछड़ा वर्ग एवं आदिवासियों के उत्थान के प्रति समर्पित सरकार है। पांडेय ने कहा की आधुनिक भारत के विकास के स्वर्णिम पल का इतिहास रचा जा रहा है।

राज्यसभा सदस्य पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का प्रदेश में भेंट मुलाकात कार्यक्रम एक सुनियोजित कार्यक्रम है। भूपेश बघेल लोगों के बीच पहुंच कर अपना दबदबा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। आम जनता के बीच जाते है और सुनियोजित लोगों से ही योजना के विषय पर जानकारी लेते हैं। एक बच्चे द्वारा किसी विषय पर जानकारी मांगने मुख्यमंत्री भड़क कर कहने लगे कि तुम्हारे माता पिता भी कभी मुख्यमंत्री से बात करने की हिम्मत की है और पुलिस बच्चे के हाथ से माइक छीन लेती है।

कांग्रेस सरकार द्वारा भगवान राम को लेकर कराए जा विभिन्न कार्यक्रम को लेकर पांडेय ने कहा कि जब अपनी जमीन जाते दिखे तो भगवान राम ही याद आते है। यही वो कांग्रेस सरकार है जिसने भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकार दिया था। उन्होंने इस विषय को लेकर कोर्ट में केस भी किया जहां भाजपा व विश्व हिंदू परिषद ने लड़ाई लड़ी और आखिरकार भगवान राम का मंदिर बन रहा है। आज कांग्रेस सरकार को माता कौशल्या की याद आई और रायगढ़ में रामायण महोत्सव कराने आना पड़ा। भगवान श्रीराम हमारे आस्था के प्रतीक है न कि राजनीति के।

# भाजपा को अपने साथियों पर ही भरोसा नहीं : लखमा

**कांकेर।** छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री कवासी लखमा अंतागढ़ पहुंचे। अंतागढ़ के मद्रसीपारा में 3 मूर्तियां रानी दुर्गावती, गेंदसिंह और वीर गुण्डाधुर का अनावरण किया। यहां कवासी लखमा भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर बस्तर दौरे पर हैं, लेकिन वे अपने साथ न तो रमन सिंह, राजेश मूणत और केदार कश्यप को अपने साथ लेकर नहीं जा रहे हैं। उन्हें अपने साथियों पर भरोसा नहीं है।

■ ओम माथुर न तो रमन सिंह, राजेश मूणत और न केदार को लाए साथ

लखमा ने कहा कि हमारे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के साथ ही सब मिल कर दौरा करते हैं, क्या भाजपा के लोग प्रधानमंत्री के नाम से चुनाव लड़ेंगे, कितना भी घूम लें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। साथ ही केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के दौरे को लेकर बोले की कोई भी पोंगा पंडित आ जाए कोई फर्क नहीं पड़ेगा। छत्तीसगढ़ में केवल एक ही आदमी है वो है कका।

वहीं मंत्री लखमा ने अरविंद नेताम संबंध में कहा कि अब उन्हें घर में बैठना चाहिए। आदिवासियों को आदिवासियों से लड़ाने का काम उन्होंने किया। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें सब कुछ दिया। यहां के आदिवासी बहुत समझदार हैं, वे एक भी सीट नहीं जीत पाएंगे।

मंत्री लखमा ने कहा कि अभी हम लोग 71 हैं, आने वाले दिनों में 75 सीट में जीत हासिल करेंगे। भाजपा के लोगों के द्वारा गौठान दौरे को लेकर आबकारी मंत्री लखमा की जुबान भी फिसली। उन्होंने भाजपा के लोगों को माई लोटिया (हल्बी में अपशब्ध) कह दिया।

# जुनवानी के दर्जन भर ग्रामीणों ने किया कांग्रेस प्रवेश

**धमतरी।** ग्राम पंचायत जुनवानी के दर्जन भर ग्रामीण जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पहुँचकर कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। ग्रामीणों ने बताया कि वह सभी कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, छत्तीसगढ़ शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं एवं छत्तीसगढ़ीया मुख्यमंत्री भुपेश बघेल जी के लोकप्रियता से प्रभावित होकर कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना, दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड अध्यक्ष मोहन लालवानी, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष ओंकार साहू, जिला पंचायत सभापति कविता बाबर, ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष घनश्याम साहू, ब्लॉक कांग्रेस शहर अध्यक्ष आकाश गोलछा, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष योगेश बाबर, शहर महामंत्री अंबर चंद्राकर, जुनवानी सरपंच रितेश नागरची ने सभी को कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया और छत्तीसगढ़ शासन के जन



कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बात कही। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री लोहाना ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस प्रकार से भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार कार्य कर रही है। उससे छत्तीसगढ़ की जनता का समुचित विकास हो रहा है। जिससे लोग स्वस्फूर्त होकर पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इस दौरान सुभाष चंद्र, रेखलाल साहू, विश्राम साहू, जगदेवराम, जोकित राम, आसकरण साहू, चिन्ताराम, बेनुराम, विष्णुराम, लक्ष्मीकांत, रोशन चंद्राकर, रुद्रा साहू, मानिक साहू, सूरज पासवान, पवन यादव, गुड्डा दिवान, कुणाल यादव, संजू साहू, वसीम खिलची, मुरलीराव घाटगे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

## इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच 10 जून से

**जगदलपुर।** आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 10 जून से 27 जून 2023 तक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच की जाएगी। इसके तहत जिले में



उपलब्ध 2126 बैलेट यूनिट 1265 कंट्रोल यूनिट एवं 1450 वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग हैदराबाद के 07 इंजीनियरों का दल उपस्थित रहेगा। समस्त राजनैतिक दलों की उपस्थिति में जिला निर्वाचन कार्यालय के वेयर हाउस में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जांच की जाएगी जांच का कार्य प्रतिदिन सुबह 10.00 बजे प्रारंभ किया जाएगा। आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जांच का सीधा प्रसारण किया जाएगा। जांच के दौरान आवश्यक सुरक्षा की दृष्टि से सभी व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

## शिक्षा विभाग के बाबू द्वारा रिश्वत का मामला आया सामने

**कोरबा।** जिला शिक्षा विभाग के अधीन संचालित कोरबा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ बाबू के द्वारा अपने दफ्तर में एक शिक्षक से रिश्वत लेने का मामला सामने आया है। इससे संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। वायरल वीडियो के अनुसार कोरबा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड.2 हरिशरण यादव पर आरोप लगा है कि वे एक शिक्षक से किसी काम के लिए रिश्वत ले रहे हैं। उनके द्वारा यह भी कहा जा रहा है कि इसका एक हिस्सा बीईओ साहब को देना होता है। यूं तो शिक्षा विभाग में गड़बड़झाला पहले भी सामने आ चुका है और किस तरह से विभिन्न कार्यों के नाम पर गड़बडियां बाबू से लेकर अधिकारी करते आए हैंए यह उजागर होने के साथ जांच भी कई मामलों में चल रही है। इसी क्रम में एक अन्य वीडियो वायरल होने से शिक्षा विभाग फिर कटघरे में खड़ा हो गया है। फिलहाल यह देखने वाली बात है कि उक्त वायरल वीडियो का सच किस तरह सामने आता है और कथित रिश्वत के आरोपों से घिरे बाबू पर क्या कार्यवाही तय होती है।

## मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेने इच्छुक बेरोजगार कर सकते हैं आवेदन

**कोरबा।** मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेने के लिए जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत विनिर्माण उद्यम हेतु अधिकतम 25 लाख, सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख एवं व्यवसाय हेतु अधिकतम 2 लाख तक का ऋण बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। ऋण हेतु इच्छुक युवक-युवतियां आवेदन पत्र निर्धारित फार्म में भरकर कार्यालयीन समय में कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, कोरबा में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा योजना का लाभ लेने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं उत्तीर्ण हो। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग महिला, भूतपूर्व सैनिक, नक्सल प्रभावित परिवार के सदस्य एवं नि:शक्तजन जैसे आरक्षित श्रेणी के आवदेकों हेतु अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छुट की पात्रता होगी।

## महासमुन्द के सेजस स्कूलों तथा मेडिकल कॉलेज परिसर में किया गया वृक्षारोपण

**महासमुंद।** विश्व पर्यावरण दिवस पर महासमुन्द के सेजस स्कूलों तथा मेडिकल कॉलेज परिसर में किया गया वृक्षारोपण.विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महासमुन्द वनमण्डल के महासमुन्द परिक्षेत्र के अंतर्गत महासमुन्द, बागबाहरा, पिथौरा, बसना और सरायपाली के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तथा स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल महासमुन्द के परिसर में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके साथ ही साथ मेडिकल कॉलेज परिसर महासमुन्द में भी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों और स्टॉफ द्वारा वृक्षारोपण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चन्द्राकर और द्वारिकाधीश यादव, बसना विधायक, विधायक किस्मत लाल नंद, अध्यक्ष नगर पालिका महासमुन्द श्रीमती राशि त्रिभुवन महिलांग आदि उपस्थित थे।

## महिलाएं खुद बना रही हैं आर्थिक सशक्तीकरण की राह

**खैरागढ़।** गोधन न्याय योजना में गोबर विक्रेताओं, गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से कार्य कर रहे हितग्राहियों को अब तक 538 करोड़ 89 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इसमें से योजना के प्रारंभ होने के बाद से अब तक गोबर विक्रेताओं को 237.28 करोड़ रूपए तथा स्व-सहायता समूहों एवं गौठान समितियों को 223.60 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। प्रदेश के अन्य हिस्सों की तरह ही नवनिर्मित जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में भी गोधन न्याय योजना की शुरूआत के साथ ही ग्रामीण अंचालों में रोजगार के नये अवसर के रास्ते भी खुलते जा रहे हैं। गौठानों में गोबर विक्रय, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, सामुदायिक बाड़ी से आय अर्जन करना, पशु-पालकों एवं महिला समूह के लिए योजना अंतर्गत पशु-पालक एवं महिला स्वयं सहायता समूह आर्थिक सक्रियता की ओर बढ रहे हैं। विशेष तौर पर महिलाएं स्व सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के साथ ही स्वालंम्बन की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

# भाजपा कार्यकर्ताओ के पसीना से चलने वाली पार्टी : विजय शर्मा

■ दशहरा मैदान रिसाली में वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

**रिसाली।** दशहरा मैदान रिसाली में गुरुवार को दुर्ग ग्रामीण विधानसभा स्तरीय वरिष्ठ कार्यकर्ता व लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हूए छग भाजपा के प्रदेश महामंत्री व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओ की पसिने से चलने वाली पार्टी है।जब जब भाजपा की सरकार बनती है तो वह कल्याण की बात करती है। मोदी जी का काम अभियान जैसा है। सरकार बनता है तो गजब का काम होता है। भाजपा की सरकार बनती है तो गांव गांव में सड़क बनती है। देश भर में एम्स की सख्या 21 हो गई है।अब आई आई टी की सख्या 31 है।उत्तर टनल का निर्माण हमारे देश में हुआ है। पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश




पाण्डे ने कहा कि आज दुर्ग में दो सम्मेलन हो रहा है।एक पटरी पार ऐसी के होटल में व दुसरा खुले आसमान के नीचे। हमारे श्री राम हमेशा जोड़ने का काम करते है। अब प्रदेश की बहुरूपये सरकार से अब बचने की आवश्यक है।अब छग अपराध का गढ़ बन गया है।भाजपा के कार्यकर्ता को तपना आना चाहिये। हमे साधन नही साधना की जरूरत है।पहले देश में भय का वातावरण रहता था। मोदी जी ने यह किया कि उनके चरणों में आते थे।अब देने वाला देश बन गया है।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 वर्ष उपलब्धि पूर्ण होने पर। संपर्क से समर्थन अभियान के अंतर्गत दुर्ग ग्रामीण विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा सम्मेलन तथा वरिष्ठ जनों का सम्मान कार्यक्रम दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर में आयोजित गया था। जिसमें स्वागत भाषण पूर्व मंत्री श्रीमती रमशिला साहू ने दिया।कार्यक्रम को पूर्व मंत्री जागेस्वर साहू, सावला राम् डाहरे, जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा व जिलाध्यक्ष बृजेश बिजपुरिया ने सम्बोधित किया।कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के भाजपा प्रभारी गौरी शंकर श्रीवास,जिलाअध्यक्ष ब्रिजेश बिजपुरिया, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकास पाण्डे,पूर्व मंत्री रमशिला साहू, पूर्व विधायक साँवला राम डाहरे, डॉ दयाराम साहू, प्रीतपाल बेलचंदन, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष दिब्या कलिहारी, ममता सिह, सन्धा साहू, माया बेलचन्दन, जिला महामंत्री ललित चन्द्राकर,महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती स्वीटी कौशिक, विश्णु पाठक, चन्द्रशेखर बंजारे जिला मन्त्री असीस लिमजे,पंचराम साहू,विष्णु पाठक योगेंद्र सिह, प्रेमलाल साहू, संजय दानी मुख्य वक्ता के रूप प्रदेस भाजपा महामंत्री विजय शर्मा, जिलाध्यक्ष जितेंद वर्मा,सासद प्रतिनिधि पप्पू चन्द्राकर, महामंत्री प्रेम लाल साहू, पूर्व मण्डल अध्यक्ष डॉ अनिल साहू,मनोहर देवागन, गिरीश साहू, फत्तेलाल वर्मा, शैलेंन्द्र शैली,महेंद्र पाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रूखमनी साहू,जिला मंत्री रोहित साहू,शैलेन्द्र साहू, सविता धवस, पार्षद विधि यादव, ओमप्रकाश मिरझा, विक्की चन्दाकर, मनीष यादव, रमा साहू, माया यादव, ममता सिन्हा, धर्मेंद्र भगत, राजू जंघेल, दशरथ साहू, सन्ध्या साहू, रूपनारायण शर्मा, दुर्गेश साहू, रविंद्र भगत, रंगबहादुर सिंह, प्रवीण यदु,परमेश्वर महिलांगे, श्रीमती कंचन सिह,लुमेस्वर चन्दाकर,अनुपम साहू, विशाल ठाकुर,युवा मोर्चा अध्यक्ष नरेंद्र निर्मलकर,पुरेन्द्र साहू, सलाखन सिह आदि उपस्थित थे।

# किसानों को केंद्र सरकार ने दी बड़ी सौगात : मनोहर

**नगरी।** भाजपा मंडल बेलर के महामंत्री मनोहर दास मानिकपुरी ने केंद्र सरकार द्वारा किसान हित मे सभी रवि व खरीफ फसलों के समर्थन मूल्य बढ़ोत्तरी व विशेषकर धान के समर्थन मूल्य में 143 रुपये की बढ़ोत्तरी किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले का अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया है व देश सहित छत्तीसगढ़ के किसानों को बधाई व शुभकामनाएं दी।




उन्होंने विज्ञप्ति में बताया कि केंद्र सरकार किसानों के समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है, अनेको किसान कल्याणकारी योजनाओं से आज किसान आत्मनिर्भर होते हुए योजनाओं का लाभ लेकर आधुनिक व उन्नत तरीके से खेती कर अधिक लाभ अर्जित कर रहे है, साथ ही किसानों के सम्मान में दी जाने वाली सम्मान निधि की राशि समय पर किसानों के खाते पहुँच जाता है, जिससे किसानो को खेती करने में आर्थिक सहयोग हो जाता है कही बाहर से छोटे मोटे किसानी कार्यों के लिए कर्ज नही लेना पड़ता, छत्तीसगढ़ राज्य को धान का कटोरा कहा जाता है, यहाँ के अधिकतर किसान धान की ही खेती करते है, समय पर केंद्र सरकार किसानों के हित में उनके लगात मूल्यों के ध्यान में रखकर समर्थन मूल्य प्रतिवर्ष बढ़ाते आ रहा है, और आज इस वर्ष के धान खरीदी के समर्थन मूल्य पर 143 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2183 रुपये करने पर मेहनतकश किसानों को उनके फसलों का उचित दाम मिलेगा, केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के इस फैसले से सभी किसान खुश है सभी फसलों पर समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने से निश्चित ही पूरे भारत सहित छत्तीसगढ़ के किसान खुशहाल व समृद्ध होंगे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने में एआई की क्षमता वास्तव में विशाल है : मोदी

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने में कृत्रिम मेधा (एआई) की क्षमता वास्तव में विशाल है और वह भी विशेष रूप से युवाओं के बीच। प्रधानमंत्री मोदी ने चैटजीपीटी का निर्माण करने वाली कंपनी ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन से बृहस्पतिवार को हुई मुलाकात के बाद यह बात कही। मोदी और ऑल्टमैन ने इस दौरान एआई के नियमन से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, ''उपयोगी बातचीत के लिए ऑल्टमैन का धन्यवाद। भारत के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने में एआई की क्षमता वास्तव में विशाल है और वह भी विशेष रूप से युवाओं के बीच। हम उन सभी सहयोग का स्वागत करते हैं जो हमारे नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए हमारे डिजिटल बदलाव को गति दे सकते हैं।'

## विद्यालयों को धर्मांतरण में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी: शिवराज

मुरैना। मध्य प्रदेश के दमोह में छात्राओं की वर्दी से जुड़े विवाद को लेकर गंगा-जमुना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि विद्यालयों को धर्मांतरण में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी और वर्दी को लेकर ऐसा नियम लागू नहीं किया जायेगा, जो भारतीय संस्कृति के अनुरूप न हो। चौहान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने उस निजी स्कूल पर लगे आरोपों की जांच के आदेश दिये थे, जिसने छात्राओं को वर्दी के रूप में हिजाब जैसा 'हेड स्कार्फ' पहनाया। उन्होंने कहा, ''राज्य के ऐसे सभी विद्यालयों की जांच की जाएगी। किसी भी संस्था को धर्म परिवर्तन करने या वर्दी संबंधी ऐसा नियम लागू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार न हो।''

## सामना के जरिए उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर साधा निशाना

**मुंबई।** कोल्हापुर और अहमदनगर में कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से जुलूसों के दौरान टीपू सुल्तान और औरंगजेब के पोस्टर चमकाने को लेकर तनाव के बीच शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के मुखपत्र सामना ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि औरंगजेब महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया उपकरण बन गया है। अपने संपादकीय में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि भाजपा पिछले महीने कर्नाटक में भगवान हनुमान की गदा लहराने के बावजूद विधानसभा चुनाव हार गई और इसलिए, पार्टी को महाराष्ट्र में औरंगजेब की जरूरत है। औरंगजेब महाराष्ट्र में एक नया हथियार बन गया है। यहां औरंगजेब की जरूरत है। लेकिन ये हिंदुत्व को विनाश के रास्ते पर ले जाने जैसा है। कोल्हापुर में दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक ऑडियो क्लिप के साथ टीपू सुल्तान की तस्वीर का कथित रूप से उपयोग करने पर हिंसक विरोध देखा गया।

## शरद पवार, संजय राउत को मिली जान से मारने की धमकी

**मुंबई।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत को शुक्रवार को अज्ञात लोगों से जान से मारने की धमकी मिली। जानकारी के अनुसार शरद पवार को सोशल साइट के माध्यम से चेतावनी दी गई है कि उनका हश्र डॉ नरेंद्र दाभोलकर के समान होगा। दाभोलकर की हत्या पुणे में अगस्त 2013 में हुई थी। शरद पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने भी कहा कि उन्हें व्हाट्सएप पर शरद पवार के लिए धमकी मिली है। उन्होंने कहा कि इस तरह की धमकी देने की घटना निम्न स्तर की राजनीति है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फड़नवीस और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इसे गंभीरता से लें और सख्त जांच कराएं। इस बीच विधायक सुनील राउत ने कहा कि उनके भाई और सांसद संजय राउत को भी जान से मारने की धमकी मिली है। राउत को एक महीने के भीतर अपने सुबह के लाउडस्पीकर बंद करने का अल्टीमेटम दिया गया है और अगर ऐसा नहीं करेंगे तो उन्हें गोलियों से छलनी किया जाएगा।

## पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी : फडणवीस

**मुंबई।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सुप्रीमो शरद पवार को शुक्रवार को ट्विटर के जरिए जान से मारने की धमकी मिली। वहीं सांसद संजय राउत और उनके भाई सुनील राउत को भी जान से मारने की ऐसी ही धमकियां मिलीं। सुनील राउत के मुताबिक, धमकी कॉल के जरिए दी गई थी। पूरे मामले को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति की एक उच्च परंपरा रही है। हमारी राजनीतिक स्तर पर मतभेद हैं, लेकिन विचारों में मतभेद नहीं हैं। भाजपा नेता ने कहा कि किसी भी नेता को धमकी देना या सोशल मीडिया पर खुद को अभिव्यक्त करते हुए शिष्टता की सीमा को पार करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे में पुलिस निश्चित रूप से कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। एनसीपी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि शरद पवार के नाम से मेरे व्हाट्सएप पर संदेश आया है।

### मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर किया हमला

# 2004 से 2014 के बीच रही भ्रष्टाचार की दुकान

**नईदिल्ली।** मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 2004 से 2014 के काल खंड के बीच भ्रष्टाचार की दुकान रहा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत के दूरस्थ हिस्से भी प्रौद्योगिकी के माध्यम से सशक्तिकरण का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि साल 2014 में हम दुनिया के सबसे बड़े अनकनेक्टेड देश थे लेकिन आज हम दुनिया में सबसे बड़े मोबाइल इंटरनेट के उपयोगकर्ता हैं और हमारे यहां इंटरनेट की दरें सबसे कम हैं।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि अगर हम साल 2004 से 2014 के काल खंड को तकनीक की नजर से देखें तो उसके

लिए सबसे उपयुक्त कथन होगा- भ्रष्टाचार की दुकान। उन्होंने कहा कि उस दौर में 2ज स्कैम हुआ, अंतरिक्ष-देवास स्कैम हुआ... निवेशक भारत छोड़ कर जा रहे थे और बीएसएनएल को इस दशक में बिलकुल तबाह कर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 9 साल में देश का कायापलट हुआ है... हम सिर्फ कायापलट ही नहीं हुए हैं, यूपीए के खोए हुए दशक के बुरे दिनों से हम बाहर भी लिकले हैं, जब लोग देश से भाग रहे थे, हर दिन घोटाले हो रहे थे और कोई निवेश नहीं था।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आज जहां हम सबसे अधिक एफडीआई प्राप्त कर रहे हैं, पहले से कहीं अधिक रोजगार सृजित कर रहे हैं और आज एक ऐसा क्षेत्र है जहां शेष विश्व भविष्य की प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए भारतीय उद्यमिता और भारतीय उद्यमियों के साथ साझेदारी करना चाहता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जी के नेतृत्व में, भारत के दूरस्थ हिस्से भी प्रौद्योगिकी के माध्यम से सशक्तिकरण का अनुभव कर रहे हैं। 2014 में हम सबसे बड़े अनकनेक्टेड देश थे और आज हम दुनिया के सबसे बड़े कनेक्टेड देश हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था जब टेलीकॉम सेक्टर के अधिकतर कंपोनेन्ट आयात किए जाते थे लेकिन आज स्थिति यह है कि हम 700 जिलों को 5जी तकनीक से जोड़ चुके हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि बीते 9 साल में भारत डिजिटल लेनदेन में दुनिया का सबसे बड़ा देश बना है। तकनीक के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार के कामकाज में बड़े सुधार सुनिश्चित किए हैं। आज, भारत 5जी रोलआउट की सबसे तेज डिग्री देख रहा है। हमारे पास उच्च स्तर के स्वदेशी 5जी घटक हैं। देश में डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जा रहा है और साइबर स्पेस में सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का विजन और मिशन है।

### एलएसी पर चीनी सेनाओं के निर्माण के दावों पर खड़गे की सलाह

# चीन का मुकाबला एकजुट होकर रणनीतिक रूप से किया जाना चाहिए : खड़गे

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट चीन द्वारा निर्माण कार्य किए जाने संबंधी खबर को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि चीन का मुकाबला एकजुट होकर रणनीतिक तौर पर किया जाना चाहिए। उन्होंने उत्तराखंड में एलएसी से लगे इलाकों में चीन द्वारा कथित तौर पर निर्माण कार्य किए जाने की उपग्रह से ली गई कुछ तस्वीरें ट्विटर पर साझा कीं और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चीन को क्लीन चिट दिए जाने के कारण देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। खरगे ने ट्विटर पर चीन द्वारा उत्तराखंड की सीमा पर किए जा रहे निर्माण कार्य की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- एलएसी, उत्तराखंड में निर्माण कर दुस्साहसी चीनी सेना हमारी प्रादेशिक अखंडता को प्रभावित कर रही है। चीन का सामना अब खोखले दावों से नहीं बल्कि

रणनीतिक तरीको से किया जाना चाहिए। कांग्रेस लगातार चीन के साथ भारत की नीतियों को लेकर केंद्र सरकार को घेर रहा है। उन्होंने पूछा कि हमारी सरकार बीजिंग का सामना क्यों नहीं करती है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने पूर्वी लद्दाख में सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं होने तक चीन के साथ संबंधों के सामान्य होने की बात को निराधार करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति होने पर ही बीजिंग के साथ संबंधों में प्रगति हो सकती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों देशों के बीच संबंधों में सैनिकों की 'अग्रिम मोर्चे' पर तैनाती को मुख्य समस्या करार दिया। केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर जयशंकर ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा था, '' भारत भी चीन के साथ संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है लेकिन यह केवल तभी संभव है जब सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति हो।

## केंद्र के 9 साल पूरे होने पर आज से चार राज्यों में सभा को संबोधित करेंगे शाह

**नई दिल्ली।** नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यक्रमों के तहत पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 और 11 जून को चार राज्यों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। शाह की एक जनसभा आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में होगी। हाल ही में शाह ने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नेता एन चंद्रबाबू नायडू से राष्ट्रीय राजधानी में मुलाकात की थी। उनकी मुलाकात के बाद राजनीतिक हलकों में ऐसी अटकलें हैं कि क्या भाजपा तेदेपा के साथ हाथ मिलाएगी। शाह आंध्र प्रदेश में रविवार को जनसभा को संबोधित करेंगे। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआर कांग्रेस अब तक प्रमुख मुद्दों पर केंद्र सरकार का समर्थन करती रही है। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा भी 10 जून को राज्य के तिरुपति में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। वह तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। शाह शनिवार को गुजरात के पाटन और महाराष्ट्र के नांदेड़ में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि वह नांदेड़ में हजूर अचल नगर साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेकेंगे। वह रविवार को आंध्र प्रदेश जाने से पहले तमिलनाडु के वेल्लोर में भी एक सभा को संबोधित करेंगे।

## लोकसभा चुनावों की तैयारियों में जुटा निर्वाचन आयोग

**नई दिल्ली।** अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत तक होने वाले पांच विधानसभा चुनावों से पहले निर्वाचन आयोग ने देशभर में चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) तथा पेपरट्रेल मशीन की 'प्राथमिक स्तर की जांच' शुरू कर दी है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को सूत्रों ने दी। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्तर के निरीक्षण में 'मॉक' मतदान शामिल है। निर्वाचन आयोग के एक पदाधिकारी ने बताया कि यह पूरे भारत में की जाने वाली कवायद है। देशभर में चरणबद्ध तरीके से प्राथमिक स्तर का निरीक्षण (एफएलसी) कराया जाएगा, जिसमें केरल की सभी लोकसभाएं भी शामिल हैं। वह केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र में हो रहे 'मॉक' मतदान पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। बता दें, कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन सूरत की एक अदालत द्वारा 'मोदी' उपनाम से संबंधित टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद उन्हें सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था। इस समय वायनाड, महाराष्ट्र की पुणे और चंद्रपुर, उत्तर प्रदेश की गाजीपुर और हरियाणा की अंबाला लोकसभा सीट खाली हैं। पदाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग इस तरह के अभ्यास के लिए एक कैलेंडर जारी करता है और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा पालन किए जाने वाले स्थायी निर्देश हैं। पदाधिकारी ने बताया कि एफएलसी राजस्थान, मिजोरम, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश विधानसभा और संसदीय सीटों पर भी होंगे, जहां उपचुनाव होने हैं। अधिकारी ने बताया कि एफएलसी के दौरान, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और पेपरट्रेल मशीनों की यांत्रिक खामियों के लिए बीईएल और ईसीआईएल के इंजीनियरों द्वारा जांच की जाती है। खराब मशीनों को मरम्मत या बदलने के लिए कंपनियों को वापस कर दिया जाता है। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दो मशीनों की जांच के लिए मॉक पोल भी आयोजित किया जाता है।

## सेंगोल पर भाजपा का 'फर्जी' दावा बेनकाब हुआ : जयराम रमेश

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तमिलनाडु के एक मठ के प्रमुख के साक्षात्कार का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी का यह 'फर्जी' दावा बेनकाब हो गया है कि ब्रिटिश शासन ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर राजदंड (सेंगोल) देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को सौंपा था। रमेश ने एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित थिरुवावदुथुरै अधीनम मठ के प्रमुख के साक्षात्कार उल्लेख किया और कहा कि जब नेहरू को राजदंड भेंट किया गया था तो उस समय न तो लॉर्ड माउंटबेटन और न ही चक्रवर्ती राजगोपालचारी मौजूद थे। नेहरू को उनके आवास पर 14 अगस्त, 1947 को यह राजदंड सौंपा गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 28 मई को संसद के नए भवन के उद्घाटन के मौके पर इस राजदंड को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के निकट स्थापित किया। संसद में इसे स्थापित किए जाने से पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने पवित्र राजदंड को जवाहरलाल नेहरू को उपहार में दी गई 'सोने की छड़ी' कहकर उसे संग्रहालय में रख दिया और हिंदू परंपराओं की अवहेलना की। रमेश ने शुक्रवार को ट्वीट किया, '' थिरुवावदुथुरै अधीनम के प्रमुख ने 'द हिंदू' से जो कहा है उससे भाजपा का 'फेक फैक्ट्री' वाला रुख बेनकाब हो गया है। (राजदंड सौंपे जाने के समय) न लॉर्ड माउंबेटन थे, न राजगोपालाचारी जी थे। यह 14 अगस्त, 1947 को सत्ता हस्तांतरण का हिस्सा नहीं था। परंतु यह बात सही है कि राजदंड नेहरू को सौंपा गया था और यह बात मैं लंबे समय से कहते आ रहा हूं।

खेल
प्रमुख समाचार

## महिला जूनियर एशिया कप सेमीफाइनल में जापान की चुनौती के लिये भारत तैयार

**काकामिगाहारा।** बेहतरीन फॉर्म में चल रही भारतीय टीम शनिवार को जापान के खिलाफ महिला जूनियर एशिया कप सेमीफाइनल में इस लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है। उजबेकिस्तान, मलेशिया , चीनी ताइपै को हराने के बाद उसने कोरिया से ड्रॉ खेला। भारतीय टीम पूल ए में अपराजेय रहकर शीर्ष पर रही। शनिवार को जीत से टीम फाइनल में पहुंचने के साथ एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिये भी क्वालीफाई कर लेगी।

टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों को सीधे एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप में प्रवेश मिलेगा जो चिली के सैंटियागो में 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जायेगा। भारतीय कप्तान प्रीति ने जीत का भरोसा जताते हुए कहा ,'' एशिया की शीर्ष टीमों में से एक होने के कारण हमारे लिये यहां अच्छा प्रदर्शन बहुत जरूरी है।'' उन्होंने कहा ,'' अभी तक हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा है और हम सेमीफाइनल में भी इस लय को कायम रखना चाहते हैं।

हमारा लक्ष्य जूनियर महिला विश्व कप के लिये क्वालीफाई करना भी हे और हम इससे एक जीत ही दूर हैं। इसलिये हम सेमीफाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'' भारत ने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22.0 से हराया और फिर मलेशिया को 2.1 से मात दी। कोरिया के खिलाफ मैच 2.2 से ड्रॉ रहा जबकि चीनी ताइपै को 11.0 से हराया। जापान ने हांगकांग चीन को 23.0 से और इंडोनेशिया को 21.0 से मात दी। चीन से एक गोल से हारने के बाद उसने कजाखस्तान को 8.0 से हराया। मैच शनिवार को रात 9.30 पर शुरू होगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 223 अंक टूटा निफ्टी 18,600 के नीचे

**नईदिल्ली।** वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स 223 अंक टूटा। वहीं, निफ्टी में भी 71 अंकों की गिरावट देखी गई। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,563.40 पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 223.01 अंक यानी 0.35 फीसदी टूटकर 62,625.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,992.16 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 62,594.74 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श) के निफ्टी में 71.15 अंक यानी 0.38 फीसदी की गिरावट देखी गई। निफ्टी कारोबार के अंत में 18,563.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,676.65 की उंचाई तक गया और नीचे में 18,555.40 तक आया।

## कारोबारी समूह भारत को इन्वेस्टमेंट के नए अवसर के रूप में देख रहे हैं

**नईदिल्ली।** व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कई कारोबारी समूह भारत को वैश्विक स्तर पर विविधता लाने की रणनीति के तहत महत्वपूर्ण मानते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेशक नई आपूर्ति श्रृंखलाओं और निवेश अवसरों के रूप में भारत को देख रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के उप सहायक और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समन्वयक कर्ट कैंपबेल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुए हैं और अब उनमें एक हद तक भरोसा और विश्वास है, जो एक दशक पहले नहीं था। उन्होंने आगे कहा, कई व्यावसायिक समूह और निवेश समूह भारत को विश्व स्तर पर विविधता लाने की रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। नई आपूर्ति श्रृंखला और निवेश के नए अवसर के रूप में भारत को देख रहे हैं।

## अंबानी, अदाणी, टाटा सबकी नजर उपभोक्ता बाजार पर टिकी

**नईदिल्ली।** एचयूएल के भारत प्रमुख ने आगाह किया कि उनके उत्तराधिकारी रोहित जावा को तेजी से बढ़ते कॉम्पिटिशन को नेविगेट करना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी जैसे घरेलू बिजनेस टाइकून सहित दिग्गज ग्लोबल कंपनियां भारत में तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार में अपने पैर जमाने की दौड़ में शामिल हैं। एचयूएल के एमडी और सीईओ संजीव मेहता ने कहा कि एक तरफ अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां भारत पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ बड़ी घरेलू कंपनियां अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए 'बड़ी आकांक्षाएं' पाले हुए हैं। वह कहते हैं कि डव साबुन, लिप्टन चाय और मैग्नम आइसक्रीम के निर्माताओं के लिए यह स्थिति किसी खतरे से कम नहीं है। घरेलू अरबपति अंबानी और अदाणी के साथ ही साथ टाटा ग्रुप जैसे समूह भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए अपनी पहुंच को बढ़ा रहे हैं।

## ओडिशा ने 3,457 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को दी मंजूरी

**भुवनेश्वर।** ओडिशा सरकार ने 3,457 करोड़ रुपये के 18 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है। राज्य सरकार के मुताबिक इन प्रस्तावों के साकार होने से करीब 14,436 लोगों को रोजगार मिलेगा। ओडिशा सरकार के मुख्य सचिव पी के जेना की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एकल खिड़की निपटान प्राधिकरण (एसएलएसडब्ल्यूसीए) ने इन प्रस्तावों को मंजूरी दी। अधिकारी ने कहा कि प्राधिकरण ने एचएलसीए (उच्च स्तरीय निवेश प्राधिकरण) को दो औद्योगिक परियोजनाओं की भी सिफारिश की है। इन 18 निवेश प्रस्तावों में 10 'मेक इन ओडिशा' सम्मेलन 2022 के दौरान मिले थे। अधिकारी ने कहा कि इससे इन निवेश सम्मेलनों की सफलता का पता चलता है।

# भारतीय बैंकों की स्थिति में सुधार फिर भी सतर्कता जरूरी

**प्रह्लाद सबनानी**

बैंकिंग उद्योग किसी भी देश में अर्थ जगत की रीढ़ माना जाता है। बैंकिंग उद्योग में आ रही परेशानियों का निदान यदि समय पर नहीं किया जाता है तो आगे चलकर यह समस्या उस देश के अन्य उद्योगों को प्रभावित कर, उस देश के आर्थिक विकास की गति को कम कर सकती है। इसलिए पिछले 9 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने बैंकों की लगभग हर तरह की समस्याओं के समाधान हेतु कई ईमानदार प्रयास किए हैं। गैरनिष्पादनकारी आस्तियों से निपटने के लिए दिवाला एवं दिवालियापन संहिता लागू की गई है। देश में सही ब्याज दरों को लागू करने के उद्देश्य से मौद्रिक नीति समिति बनायी गई है। साथ ही, दिनांक 30 अगस्त 2019 को देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने बैंकिंग क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाए जाने के उद्देश्य से सरकारी क्षेत्र के बैंकों के आपस में विलय की घोषणा की थी। सरकारी क्षेत्र के बैंकों की, समेकन के माध्यम से, क्षमता अनवरोधित (अनलाक) करने के उद्देश्य से सरकारी क्षेत्र के बैंकों के आपस में विलय की घोषणा की गई थी। इन बैंकों के विलय में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया था कि इनके विलय से किसी भी ग्राहक को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो, ये तकनीक के लिहाज से एक ही प्लेट्फार्म पर हों, इन बैंकों की संस्कृति एक ही हो तथा इन बैंकों के व्यवसाय में वृद्धि दृष्टिगोचर हो। वर्ष 2017 में भारत में सरकारी क्षेत्र के 27 बैंक थे लेकिन इनके आपस में विलय के बाद अब केवल 12 सरकारी क्षेत्र के बैंक रह जाएंगे। इस प्रकार देश में सरकारी क्षेत्र के बैंकों को अगली पीढ़ी के बैंकों का रूप दिया जा रहा है। उक्त विलय के बाद इन सरकारी क्षेत्र के बैंकों के बड़े हुए आकार ने इन बैंकों

की ऋण प्रदान करने की क्षमता में अभितपूर्व वृद्धि की है। इन बैंकों की राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत उपस्थिति के साथ ही इनकी अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पहुंच बन गई है। विलय के बाद इन बैंकों की परिचालन लागत में कमी आई है जिससे इनके द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों की लागत में भी सुधार हुआ है। इन बैंकों द्वारा बैंकिंग व्यवसाय हेतु, नई तकनीकी के अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है जिससे इनकी उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार होता दिखाई दे रहा है। इन बैंकों की बाजार से संसाधनों को जुटाने की क्षमता में भी सुधार हुआ है। केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के संयुक्त प्रयासों से भारत में समस्त वर्गीकृत वाणिज्यिक बैंकों में पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31 मार्च 2022 को समाप्त अवधि में 16.7 प्रतिशत के सराहनीय स्तर पर पहुंच गया है। जबकि अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार, बैंकों में पूंजी पर्याप्तता अनुपात न्यूनतम 8 प्रतिशत (एवं 2.5 प्रतिशत के पूंजी कंजर्वेटिव बफर को मिलाकर 10.5 प्रतिशत) होना बैंकों के लिए आवश्यक माना जाता है। इसी प्रकार, भारत में वर्गीकृत वाणिज्यिक बैंकों की आस्तियों पर आय एवं इक्विटी पर आय भी इस अवधि में संतोषप्रद रही है, जिसके चलते पूंजी पर्याप्तता अनुपात में भी लगातार सुधार हो रहा है, जो मार्च 2020 में 14.7 प्रतिशत से बढ़कर सितम्बर 2020 में 15.8 प्रतिशत हो गया एवं मार्च 2021 में 16 प्रतिशत होकर मार्च 2022 में 16.7 प्रतिशत हो गया है। वर्गीकृत वाणिज्यिक बैंकों में सकल गैरनिष्पादनकारी आस्तियों एवं शुद्ध गैरनिष्पादनकारी आस्तियों का प्रतिशत भी 30 सितम्बर 2022 को समाप्त तिमाही में कम होकर 5.0 प्रतिशत (पिछले 7 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर) एवं 1.3 प्रतिशत (पिछले 10 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर) क्रमशः हो गया है। सकल गैरनिष्पादनकारी आस्तियां मार्च 2020 में 8.4 प्रतिशत, मार्च 2021 में 7.3 प्रतिशत एवं मार्च 2022 में 5.9 प्रतिशत रही हैं। साथ ही, शुद्ध गैरनिष्पादनकारी आस्तियां मार्च 2020 में 3.0 प्रतिशत, मार्च 2021 में 2.4 प्रतिशत एवं मार्च 2022 में 1.7 प्रतिशत की रही हैं। कोरोना महामारी के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रभावित हुए ऋण खातेदारों को उनके द्वारा अदा किये जाने वाले ब्याज एवं किश्त की अदायगी में छूट प्रदान की थी, जिसके कारण भी गैर निष्पादनकारी आस्तियों में कमी दृष्टिगोचर हुई है।

क्रमशः ...

# क्या नीतीश बन सकते हैं हरकिशन सिंह सुरजीत?

**अतुल सिन्हा**

कर्नाटक की जीत से उत्साहित कांग्रेस ने पटना में 23 जून को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में शामिल होने का संकेत दे दिया है। इसकी पुष्टि जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कर दी है और बाकायदा यह एलान कर दिया है कि इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे और राहुल गांधी भी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी आएंगी, एनसीपी नेता शरद पवार भी। अखिलेश यादव, हेमंत सोरेन और एम के स्टालिन भी आएंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के अपने एजेंडे के तहत भी सबसे समर्थन मांग रहे हैं और इसे भी विपक्षी एकता की दिशा में एक कोशिश के तौर पर ही देखा जा रहा है। अरविंद केजरीवाल की अखिलेश यादव से मुलाकात के दौरान भी विपक्षी एकता के सवाल पर बातचीत हुई है, ऐसा बताया जा रहा है। लेकिन केजरीवाल अभी पटना जाएंगे या नहीं, यह तय नहीं है। नीतीश कुमार ने लगभग हर विपक्षी दल के अध्यक्ष और प्रमुख नेताओं से निजी तौर पर मिलकर उन्हें साथ लाने और 2024 में केंद्र से भाजपा को हटाने की जो मुहिम शुरु की है वह बतौर ललन सिंह अब आकार लेने लगी है। एक जमाने में विपक्षी एकता की यह पहल सीपीएम के तत्कालीन महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने की थी। 1996-97 में कांग्रेस के खिलाफ भाजपा समेत सभी विपक्षियों को एकजुट करने और राष्ट्रीय मोर्चा बनाने की पहल हो या फिर 2004 में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस समेत तमाम विपक्षियों को जोड़कर यूपीए को मजबूत करने की पहल, हरकिशन सिंह सुरजीत ने दो महत्वपूर्ण मौके पर राजनीतिक जरूरतों को देखते हुए गठबंधन की राजनीति की नई परिभाषा गढ़ी थी। क्या नीतीश कुमार आज के हरकिशन सिंह सुरजीत बन सकते हैं? दरअसल, वामपंथी पार्टियों की ताकत और मुख्य धारा की राजनीति में उनकी हैसियत का अंदाज़ा हमेशा से सभी दलों को रहा है। तब मुलायम सिंह भी थे, ज्योति बसु जैसे नेता थे, शरद यादव थे और सियासत का स्तर इतना नहीं गिरा था। राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं तब भी थीं, अब भी हैं। लेकिन अब की स्थितियां पहले से अलग हैं। ज्यादातर पार्टियों का नेतृत्व बदल गया है, एक नई पीढ़ी ने सियासत को अपने अपने तरीके से देखा है। भाजपा ने हमेशा से इसी बिखराव का फायदा उठाया है। ज्यादातर क्षेत्रीय दलों के अपने अपने एजेंडे हैं और हर राज्य की अपनी अपनी स्थितियां हैं, लेकिन मोदी सरकार के नौ साल में जिस तरह इन पार्टियों ने लगातार खुद को कमजोर होते देखा, देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को चरमराते देखा और खुद को तमाम तरह की जांच के जाल में उलझते देखा, आम जनता के मुद्दों को गहराई से महसूस किया, तो यह साफ हो गया कि अब इससे तभी लड़ा जा सकता है जब एक बार फिर 1997 या 2004 जैसी एकता और गठबंधन बने। वामपंथी पार्टियों ने हमेशा से इसके लिए कोशिश की। सीपीआई नेता अतुल अंजान हों या डी राजा, सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी हों या फिर सीपीआईएमएल के नेता, सबने अपने अपने स्तर पर तब भी कोशिशें कीं और अब एक बार फिर अपने अपने स्तर पर उन्होंने यह अभियान चलाया है कि मोदी को हराना है तो कांग्रेस समेत सभी को साथ आना ही होगा। अतुल अंजान बताते हैं कि उन्होंने इसके लिए कई बार अखिलेश यादव से भी मुलाकात की और कांग्रेस नेताओं से भी। उनका कहना है कि जबतक सब एक नहीं होंगे हिंदूवादी ताकतों को हराना आसान नहीं है। अगर 2024 में भाजपा को केंद्र से नहीं हटाया गया तो संघ और भाजपा अगले पांच सालों में देश को पूरी तरह बरबाद कर देंगी। वह नीतीश की पहल का स्वागत करते हैं लेकिन यह भी कहते हैं कि इस वक्त कांग्रेस को लीड लेना चाहिए। सीताराम येचुरी का भी यही मानना है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने जो माहौल बनाया और खरगे के अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस में जो आक्रामकता दिखाई दे रही है, उसी का असर है कि कर्नाटक में ऐसे नतीजे आए।

# प्रियंका की निगाहें प्रधानमंत्री पद पर

**स्वदेश कुमार**

आम चुनाव में अब कुछ ही महीने का समय ही बचा है। सभी दलों के नेता गठबंधन करने और चुनाव जीतने के लिए रणनीति बना रहे हैं। उधर, लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं की परिक्रमा कर रहे हैं। सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों में सियासी हलचल बढ़ी हुई है। उत्तर प्रदेश में भी यही स्थिति है। भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के भीतर चुनावी मंथन का दौर चल रहा है, लेकिन पूरे परिदृश्य से कांग्रेस पूरी तरह से गायब है। ऐसे समय में जब कर्नाटक जीतने के बाद कांग्रेस का सियासी पारा बढ़ा हुआ है तब भी यूपी में कांग्रेस 'कोमा' में नजर आ रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने तो यूपी से दूरी बना ही ली है, उनकी जगह यूपी कांग्रेस में जान फूंकने आईं कांग्रेस महासचिव और यूपी की प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने भी यूपी की राजनीति से मुंह मोड़ लिया है। कभी कधार ट्विटर के जरिए जरूर प्रियंका अपनी उपस्थिति दर्ज करा लेती हैं। वर्ना तो उनका यूपी से कोई नाता ही नहीं रह गया है। अब तो चर्चा यह भी चल रही है कि प्रियंका वाड्रा का भी यूपी कांग्रेस प्रभारी पद से मन भर गया है। प्रियंका यूपी की राजनीति से पूरी तरह से किनारा करके राष्ट्रीय राजनीति में अपनी जगह बनाना चाहती हैं। जहां उनके लिए उम्मीदें ज्यादा हैं। उनके लिए यहां पीएम की कुर्सी के लिए पिच पर टिका रहना ज्यादा आसान लगता है। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव होना है और राहुल गांधी को मानहानि के एक केस में सजा सुनाए जाने के बाद उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा हुआ है जबकि सजा सुनाए जाने से पूर्व तक राहुल गांधी को ही कांग्रेस की तरफ से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार माना जाता था। बदली परिस्थितियों में प्रियंका को अपने लिए काफी संभावनाएं दिख रही हैं। ऐसे में उनका यूपी कांग्रेस का प्रभारी बने रहने का कोई औचित्य भी नहीं बचा है।

सूत्रों की मानें तो आगामी चुनाव की तैयारियों को देखते हुए राज्य में कांग्रेस को जल्द ही नया प्रभारी मिल सकता है। दावा है कि कई राज्यों में चुनाव में व्यस्तता के चलते प्रियंका गांधी अपना प्रभारी पद छोड़ सकती हैं। हालांकि पार्टी में नए नामों को लेकर मंथन शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, कई नाम यूपी कांग्रेस प्रभारी की रेस में हैं। हरीश रावत और तारिक अनवर का नाम इस रेस में सबसे आगे बताया जा रहा है। इनको कांग्रेस का राज्य में प्रभार दिया जा सकता है। हालांकि अभी पार्टी जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहती है। यूपी में कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का भी ऐलान होना है, इसको लेकर भी कई नामों पर चर्चा चल रही है। माना जा रहा है कि प्रदेश कार्यकारिणी में क्षेत्रीय अध्यक्षों को जगह दी जा सकती है। राजनीतिक के जानकारों की मानें तो कर्नाटक चुनाव के बाद पार्टी में संगठन स्तर पर कुछ नेताओं की जिम्मेदारी को बढ़ाया जा सकता है। खास तौर पार्टी में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी को देखते हुए ये बदलाव काफी अहम होगा। सूत्रों की मानें तो कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की भूमिका बदलेगी। वह चुनावी राज्यों में ज्यादा समय देंगी। बता दें कि इस साल के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस की सरकार राजस्थान और छत्तीसगढ़ में है, जबकि बीजेपी की सरकार मध्य प्रदेश में है। हालांकि कर्नाटक में जीत के बाद अब कांग्रेस ने इन राज्यों में तैयारी तेज कर दी है, लेकिन कांग्रेस के लिए राजस्थान में हालात काफी खराब हैं। यहां कांग्रेस के लिए वापसी आसान नहीं होगी, इसीलिए कांग्रेस ने यहां कई लोकलुभावन घोषणाएं की हैं। 200 यूनिट बिजली तो उपभोक्ताओं को फ्री में मिलने भी लगी है।

**2019 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने तो यूपी से दूरी बना ही ली है, उनकी जगह यूपी कांग्रेस में जान फूंकने आईं कांग्रेस महासचिव और यूपी की प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने भी यूपी की राजनीति से मुंह मोड़ लिया है। कभी कधार ट्विटर के जरिए जरूर प्रियंका अपनी उपस्थिति दर्ज करा लेती हैं। वर्ना तो उनका यूपी से कोई नाता ही नहीं रह गया है। अब तो चर्चा यह भी चल रही है कि प्रियंका वाड्रा का भी यूपी कांग्रेस प्रभारी पद से मन भर गया है। प्रियंका यूपी की राजनीति से पूरी तरह से किनारा करके राष्ट्रीय राजनीति में अपनी जगह बनाना चाहती हैं।**

बहरहाल, बात प्रियंका के बाद उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति की कि जाए तो यहां पार्टी के पास जनाधार वाले नेताओं का पूरी तरह से टोटा है। ज्यादातर नेता उम्रदराज हो चुके हैं, कांग्रेस ने नई पीढ़ी के नेताओं को कभी तवज्जो नहीं दी, जिसकी वजह से नई लीडरशिप भी तैयार नहीं हो पाई है। 80 लोकसभा सीटों वाली यूपी में यदि कांग्रेस का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा तो उसके लिए अगले वर्ष केन्द्र में सत्ता की राह आसान नहीं होगी। दरअसल,प्रदेश कांग्रेस की अंतरकलह और बिखरा प्रबंधन उस पर फिर भारी पड़ा है। कभी-कभी सत्ताधारी दल भाजपा की नीतियों के विरोध को हथियार बनाकर कांग्रेस कुछ हमलावर तो दिखती है पर लोगों में विश्वास कायम नहीं कर पाती है। पदाधिकारियों की आपसी खींचतान इतनी बुरी तरह से हावी है कि कार्यकर्ता भी खेमेबंदी में उलझकर रह गए हैं। वोटों में उसकी भागीदारी भी घटती रही है।

यह दशा लोकसभा चुनाव-2024 में उसके प्रदर्शन को लेकर चिंता की लकीरों को और बड़ा करती हैं। कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने आठ अक्टूबर, 2022 को पदभार संभाला था। उनके साथ ही पार्टी ने प्रदेश को छह प्रांतों में बांटकर पहली बार प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में नया प्रयोग भी किया। जातीय समीकरणों के आधार पर अपने नेताओं को नई जिम्मेदारी सौंपी गई। नसीमुद्दीन सिद्दीकी को पश्चिमी प्रांत, नकुल दुबे को अवध, अनिल यादव को बृज, वीरेन्द्र चौधरी को पूर्वांचल, योगेश दीक्षित को बुंदेलखंड व अजय राय को प्रयाग प्रांत का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इन सभी के लिए नगर निकाय चुनाव पहली परीक्षा थी। दूसरे दलों के लिए लोकसभा चुनाव-2024 से पहले निकाय चुनाव भले ही सेमीफाइनल रहा हो पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व प्रांतीय अध्यक्षों के लिए अपना दमखम दिखाने का पहला मौका था, जिसमें यह कोई करिश्मा नहीं कर सके।

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी की उत्तर प्रदेश में दुर्दशा की यह कहानी पुरानी है। 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के सभी 399 प्रत्याशियों को कुल मिलाकर 21,51,234 वोट मिले थे, जो कि कुल पड़े मतों का 2.33 प्रतिशत था। इससे पूर्व वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 114 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, जिन्हें कुल 54,16,540 वोट मिले थे। कांग्रेस के हिस्से 6.25 प्रतिशत वोट आए थे। तब कांग्रेस गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में थी और फिर 2022 में अकेले दम किस्मत आजमाई थी। वोटों के प्रतिशत का अंतर उसकी घटती ताकत को खुद बयां करता है। वहीं 2017 के निकाय चुनाव में कांग्रेस को 10 प्रतिशत मत मिले थे और वह भाजपा, सपा व बसपा से काफी पीछे रही थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को दो सीटें मिली थीं और पार्टी का वोट प्रतिशत 7.53 रहा था। 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथ एक जीत ही लगी थी। यह भी साफ है कि हर चुनाव में कांग्रेस अपने खोए जनाधार को लौटाने की कोई कारगर जुगत लगाने में नाकाम रहती है, अब तो उसके पास को तुरूप का इक्का भी नहीं बचा है, जिस तुरूप के इक्के प्रियंका वाड्रा पर कांग्रेस को काफी नाज था, वह यूपी में पूरी तरह से फिसड्डी साबित हुईं।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# गरुडोपनिषद् (भाग-5)

**गतांक से आगे...**

तुम चाहे तक्षक के दूत हो अथवा तक्षक हो। उनकी अथवा हमारी हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित हो रहा है, ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विष है, विष को दूषित, नष्ट एवं मारने वाली है, ऐसी वह जो स्वयं ही ब्रह्म स्वरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर विनष्ट कर दिया है। इस विष को नष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है। (इस निमित्त) आहुति समर्पित है। तुम चाहे कर्कोटक के दूत हो अथवा स्वयं कर्कोटक हो। तत्कारि-मत्कारि (उनकी या हमारी) हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित (संचरित) हो रहा है, ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विष अर्थात् विष नाशक है। विष को दूषित करने, मारने एवं नष्ट करने वाली है, ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्म स्वरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर विनष्ट कर दिया है। इस विष को नष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है, स्वाहा।

तुम चाहे पद्मक के हो अथवा स्वयं पद्मक हो। उनकी अथवा हमारी हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित हो रहा है, ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विष है। ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्मरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर विनष्ट कर दिया है। इस विष को नष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है, स्वाहा। तुम चाहे महापद्मक के दूत हो अथवा स्वयं महापद्मक हो। तत्कारि-मत्कारि (उनकी अथवा हमारी) हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित हो रहा है, ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विष है। विष को दूषित करने, मारने-नष्ट एवं हरण करने वाली है, ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्मरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर विनष्ट कर दिया है। इस विष को नष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है स्वाहा। तुम चाहे शङ्खक के दूत हो या स्वयं शङ्खक हो। उनकी अथवा हमारी हिंसा करने वाला जो विष वर्द्धित हो रहा है, ऐसे उस विष को (ब्रह्मविद्या) जो कि विषों की विष है। विष को दूषित करने, मारने, नष्ट एवं हरण करने वाली है, ऐसी वह जो स्वयं ब्रह्मरूपा है, उसने इन्द्र के वज्र द्वारा उस घातक विष को मारकर विनष्ट कर दिया है, इस विष को नष्ट करने में इन्द्र के वज्र ने भी सहयोग प्रदान किया है, स्वाहा। **क्रमशः ...**

# रामप्रसाद बिस्मिल

11 जून 1897 में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म हुआ था। ये भारत मां के वो सच्चे सपूत थे जिन्होंने ऐतिहासिक काकोरी कांड को अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया। हालांकि बाद में बिस्मिल को गिरफ्तार कर लिया गया और 19 दिसंबर, 1927 को उन्हें गोरखपुर की जेल में फांसी पर चढ़ा दिया गया।

काकोरी कांड के अलावा रामप्रसाद बिस्मिल को उनकी बहुआयामी प्रतिभा के लिए भी याद किया जाता है। उन्हें शायर या कवि, साहित्यकार या इतिहासकार या फिर अनुवादक कुछ भी कहें वो सब सही होगा। बिस्मिल ने कुल 11 किताबें लिखी थी। हालांकि सारी अंग्रेजी हुकूमत ने जब्त कर ली।

सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, ये ऐसी पंक्ति है जो सुनते ही बिस्मिल का चेहरा याद आ जाता है। कई लोगों का मानना है कि ये ग़ज़ल खुद राम प्रसाद बिस्मिल ने लिखी थी लेकिन ये सच नहीं है। दरअसल इसके असली रचयिता रामप्रसाद बिस्मिल नहीं बल्कि बिस्मिल अज़ीमाबादी हैं। हालांकि बिस्मिल ने इस ग़ज़ल को इतना गाया कि यह उनके नाम से प्रसिद्ध हो गई।

इस ग़ज़ल पर कई इतिहासकार शोध कर चुके हैं। यहां तक की बिस्मिल अज़ीमाबादी के पोते मुनव्वर हसन ने भी इस ग़ज़ल को लेकर अपनी बात रखते हुए कहा था कि उनके दादा की ये ग़ज़ल 1922 में ही 'सबाह'नामक पत्रिका में छपी थी। बाद में अंग्रेजी हुकूमत ने इस ग़ज़ल पर प्रतिबंध लगा दी। बता दें कि बिस्मिल अज़ीमाबादी का असली नाम सैय्यद शाह मोहम्मद हसन था और वो पटना के पास बिगहा गांव में 1901 में पैदा हुए थे।

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में काकोरी कांड एक महत्वपूर्ण घटना रही। दरअसल 1922 में महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन अपने चरम पर था कि तभी गोरखपुर जिले के चौरा-चौरी में एक घटना हुई। भड़के हुए कुछ आंदोलकारियों ने एक थाने को घेरकर आग लगा दी जिसमें 22-23 पुलिसकर्मी जलकर मर गए थे। इस हिंसक घटना से दुखी होकर महात्मा गांधी ने तुरंत असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

असहयोग आंदोलन बंद करने से निराशा का माहौल छा गया था और फिर नौ अगस्त 1925 को क्रांतिकारियों ने काकोरी में एक ट्रेन में डकैती डाली थी। इसी घटना को 'काकोरी कांड' के नाम से जाना जाता है। काकोरी कांड का मकसद अंग्रेजी सरकार का खजाना लूटकर उन पैसों से हथियार खरीदना था ताकि अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध को मजबूती मिल सके। काकोरी ट्रेन डकैती में खजाना लूटने वाले क्रांतिकारी 'हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन' (एचआरए) के सदस्य थे। 9 अगस्त 1925, रात 2 बजकर 42 मिनट पर साहरण-पुर लखनऊ पैसेंजर ट्रेन को कुछ क्रांतिकारियों ने काकोरी में रोका और ट्रेन को लूटा। काकोरी कांड का नेतृत्व रामप्रसाद बिस्मिल ने किया था।

इस घटना के बाद बड़ी संख्या में अंग्रेजी सरकार ने गिरफ्तारियां की। सब पर मुकदमा लगभग 10 महीने तक लखनऊ की अदालत में चला और रामप्रसाद 'बिस्मिल', राजेंद्रनाथ लाहिड़ी, रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खां को फांसी की सजा सुनाई गई।

# बेहतर होते भारत-अमेरिका संबंध

**अनिल त्रिगुणायत**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने अमेरिका की महत्वपूर्ण यात्रा पर जायेंगे। परंतु, इससे पहले भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आये हैं। जैसे, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस की ओर से की गयी यह टिप्पणी कि %भारत का लोकतंत्र जीवंत है और अगर आपको कोई संदेह है तो आप स्वयं जाकर देख लीजिए।% यह भारत के बारे में अमेरिका की तरफ से आयी एक बड़ी स्वीकृति और समर्थन है। अक्सर ऐसा होता है कि पश्चिमी देशों के नागरिक संगठन या मानवाधिकार संस्थाएं किसी एक देश की केवल कमियां निकालते हैं और उसे आपके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं।

व्हाइट हाउस प्रवक्ता ने इस टिप्पणी से भारत को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। इसके अलावा, इसी सप्ताह अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन भारत दौरे पर थे। इसे भी प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। जब भी किसी देश के बड़े नेताओं के दौरे होते हैं, तो उससे पहले रक्षा, विदेश, या व्यापार मंत्री शीर्ष नेताओं की मुलाकात की तैयारी करने के लिए ऐसी यात्राएं करते हैं। तीसरी बात हुई है कि अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, दोनों ही दलों के नेताओं ने मोदी को अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिये बुलाया है। वे दूसरी बार अमेरिकी संसद को संबोधित करेंगे, जो शायद एक अप्रत्याशित बात है। इससे पता चलता है कि भारत-अमेरिका संबंध वैश्विक स्थिरता के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और अमेरिका भारत को एक महाशक्ति के रूप में देखता है। यह भी अहम है कि, भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी है, निवेश में साझीदारी है और तकनीक के क्षेत्र में भी

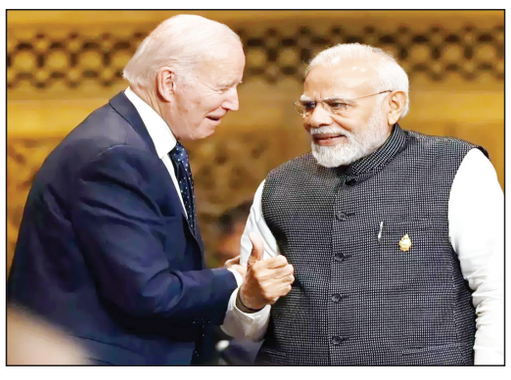

बड़ा सहयोगी हो सकता है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये जारी अभियान में, और तकनीक से जुड़े अंतरराष्ट्रीय बाजार में पैर जमाने की भारत की कोशिश में अमेरिका का काफी बड़ा योगदान हो सकता है। ये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, औद्योगिक क्रांति 4.0 या रक्षा संबंधी तकनीक के विकास से जुड़े क्षेत्र हो सकते हैं। अमेरिका को भारत की अहमियत पता है, खासतौर से चीन को लेकर दोनों के हित समान हैं क्योंकि चीन उनके लिए भी एक बड़ी चुनौती है और भारत के लिए भी। अमेरिका यह भी समझता है कि भारत के रूस या दूसरे देशों के साथ रिश्ते का एक अपना वजूद है और इसे स्वीकार करना दर्शाता है कि शीर्ष स्तर पर दोनों ही देशों के बीच एक आपसी समझ है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन कह चुके हैं कि सत्तर के दशक में शीत युद्ध के दौर में भारत को जब जरूरत थी, तब अमेरिका उसके साथ नहीं था, और तब तत्कालीन सोवियत संघ ने भारत की मदद की थी। ऐसे में स्वाभाविक है कि भारत के संबंध उसी देश के साथ मजबूत होते जायेंगे, जो उसका साथ देगा। कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हमेशा सीधी रेखा की स्थिति नहीं होती है, हितों के हिसाब से रिश्ते और सहयोगी बदलते रहते हैं। यही वजह है कि शीत युद्ध के दौर में भारत के विरोधी खेमे में खड़ा अमेरिका आज भारत का करीबी सहयोगी बनता जा रहा है। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि दोनों देशों के संबंधों में कोई समस्या नहीं है, पर ये समस्याएं भी आपसी संवाद से ही सुलझती हैं। प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका दौरा इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि दोनों ही देशों में अगले वर्ष चुनाव होने हैं। इसके अतिरिक्त, भारत इस वर्ष जी-20 और शंघाई सहयोगी संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता कर रहा है, तो अंतरराष्ट्रीय महत्व के उन विषयों पर भी भारत और अमेरिका के बीच शीर्ष स्तर पर चर्चा होगी।

अमेरिका एक बहुत बड़ी महाशक्ति है और ऐसी शक्तियां अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को शतरंज की तरह खेलती हैं, जिसमें दूसरे मुल्क उनके प्यादे बन जाते हैं। मगर, भारत इससे इनकार करता है और कहता है कि अगर वह अमेरिका का रणनीतिक सहयोगी है, तो उसे भी भारत की संवेदनशीलताओं का खयाल रखना चाहिए। भारत हमेशा से किसी द्विपक्षीय गुट का हिस्सा नहीं रहा है जो उसकी नीति रही है। इसी कारण चाहे रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा हो, या वैक्सीन को लेकर बौद्धिक संपदा अधिकार का, वसुधैव कुटंबकम का मुद्दा हो, या ग्लोबल साउथ का, उनमें भारत हमेशा से अपना एक अलग रुख रखता आया है, जिससे उसके अपने हित भी सुरक्षित रहते हैं और अंतरराष्ट्रीय हित भी सध जाते हैं। ऐसे ही पाकिस्तान को लेकर अमेरिका की नीति के मामले में भी है जो उसका गैर-नाटो सहयोगी है। अमेरिका अफगानिस्तान के संदर्भ में या अन्य संदर्भों में इस रिश्ते को बरकरार रखना चाहता है।

ऐसा ही चीन के संदर्भ में भी नजर आता है, जहां चीन को चुनौती मानने के साथ अमेरिका उसे लेकर अपनी नीतियों में बदलाव करता रहता है। इससे भी भारत के लिए चुनौती खड़ी होती है और रिश्तों पर असर पड़ता है। लेकिन, मौजूदा समय में अमेरिका के बयानों को देखा जाए, चाहे वे पेंटागन के हों या विदेश मंत्रालय के, उनमें बड़ी स्पष्टता से कहा गया है कि भारत इस क्षेत्र में उनका सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी है। वर्ष 2004 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश के समय में भारत और अमेरिका के बीच असैनिक परमाणु समझौता हुआ था, मगर 2008 के बाद परमाणु जवाबदेही से जुड़े कानूनों की वजह से परमाणु सहयोग कम हो गया। तो मौजूदा परिस्थितियों में उस दिशा में प्रगति हो सकती है।

भारत न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) में शामिल होने की कोशिश कर रहा है, जिसमें चीन की वजह से कामयाबी नहीं मिल रही है, और अमेरिका उसमें भारत की मदद कर रहा है। एक अहम बात यह भी है कि अमेरिका को नजर आ रहा है कि भारत केवल एक कामयाब लोकतंत्र ही नहीं, एक बड़ा बाजार भी है। अमेरिका को तकनीक के विकास के लिए जो मानव संसाधन चाहिए, वे उसे भारत से ही मिलेंगे, चीन से नहीं। इसलिए उन्हें भारत का रणनीतिक महत्व समझ आता है, इसलिये चाहे क्वाड हो या जी-20 या कोई और मंच, वह भारत के विचार को सुनने और समझने के लिये तैयार है। एक बड़ा बदलाव आया है भारत को लेकर अमेरिका के नजरिये में। मोदी के अमेरिका दौरे में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण समझौते होने की उम्मीद की जा रही है। मेक इन इंडिया को लेकर अमेरिका में भी कुछ दिलचस्पी देखी गयी है। अमेरिका ने भारत को विशेष सहयोगी का दर्जा दिया है, जिसका अर्थ है कि अमेरिका के बहुत सारे नियम भारत के लिए आसान हो जायेंगे।

**बापू की दिनचर्या**

# स्वावलंबन एवं शारीरिक श्रम (भाग-2)

**गतांक से आगे...**

काका साहब के शब्दों में वहाँ का सारा जीवन उद्योग, शरीरश्रम, परिश्रम और तरह-तरह की प्रवृत्तियों के कारण छत्ते की मधुमक्खियों-जैसा गूँजता रहता। रामेश्वरी बहन नेहरू का यह कथन न्यायसंगत है कि काम न छोटा होता है, न बड़ा। सबको हर काम करना चाहिए। स्वयं बापू ऐसा करके बौद्धिक और शारीरिक श्रम की प्रतिष्ठा सिद्ध कर दिखाते। यरवदा में बापू अपना कमरा खुद साफ करते, अपने कपड़े खुद धाते। उनकी अत्यधिक व्यस्तता, अस्वस्थता अथवा लोगों के विशेष आग्रह से ही कभी-कभी सेवा के ऐसे अवसर दूसरों को मिल पाते। एक प्रसंग दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह आंदोलन के दिनों का है। 7 कई सत्याग्रही जेल में थे। उनके परिवार के रहने की व्यवस्था वहाँ के टॉलस्टॉय फार्म में की गई। बापू को जब फुरसत मिलती, वे बहनों को न केवल सांत्वना देते, बल्कि उनके काम में हाथ बँटाते। एक दिन बापू कपड़े धोने चले। वे सत्याग्रही परिवार की बहनों के पास अलग-अलग गए। उनसे बोले-धोने के कपड़े दो बहन, मैं धोकर ला दूंगा। नदी जरा दूर है। आपके बच्चे छोटे हैं। टट्टी-पेशाब से सने सारे कपड़े दे दो। दूसरे भी दो शरमाओ नहीं। तुम्हारे पति सत्य के लिए जेल में तपस्या कर रहे हैं। तुम्हारी फिकर हमें करनी चाहिए। लाओ, सचमुच दो। संकोचशील माँ-बहनें बापू के ये शब्द सुनकर कपड़े दे देतीं। उन कपड़ों की काफी मोटी गठरी बाँध और पीठ पर लादकर बापू नदी तक ले जाते। वहाँ सारे कपड़े ढंग से धोकर, धूप में सुखाकर और तह लगाकर लौटा देते। ऐसे थे राष्ट्रपिता गांधीजी, सबके बापू, जिनकी आशातीत सेवा की सीमा नहीं थी। मोची, भंगी और दरजी के काम में बापू को बहुत आनंद आता और उनमें उनकी अच्छी गति थी। मोची का काम दक्षिण अफ्रीका (जेल) में उन्होंने कलनबक से सीखा था। वहाँ टॉलस्टॉय फार्म में यह काम खूब चलता। उन्होंने बच्चों के कितने ही जूते वहाँ तैयार किए। अपनी चप्पलों की मरम्मत वे स्वयं कर लेते। वहाँ उन्होंने अपने बनाए जूतों की एक जोड़ी भारत लौटते समय प्रधानमंत्री जनरल जे. सी. स्मट्स को समझौते के स्मृतिस्वरूप भेंट की थी। बापू यरवदा में पेसराजी (मकान बनाने का काम) सीखने को उत्सुक थे, किंतु स्वतंत्र ब्लॉक में होने से ऐसा संभव न हो सका।

**क्रमशः ...**

## संक्षिप्त समाचार

### छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश वित्त आयोग की संयुक्त बैठक हुई

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य वित्त आयोग की मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग तथा मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के साथ संवाद तथा बैठक हुई। चतुर्थ राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सरजियस मिंज तथा प्रतिनिधि मंडल ने मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग की कार्यप्रणाली, विभागों की जानकारी साझा की। अध्यक्ष सरजियस मिंज बोले-इनसे मिली जानकारी उपयोगी, इंदौर मॉडल भी देखा। बैठक में सचिव सतीश पाण्डेय समेत तमाम अधिकारी शामिल हुए।

### केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते आज कोरबा दौरे पर रहेंगे

**कोरबा।** केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री फगन सिंह कुलस्ते अपने एक दिवसीय दौरे पर 10 जून 2023 शनिवार को कोरबा पहुंचेंगे। श्री कुलस्ते का अम्बिकापुर से रात्रि 08 बजे प्रस्थान एवं कोरबा जिला मुख्यालय के एनटीपीसी विश्राम गृह में रात्रि 11:30 बजे आगमन होगा। वे यहां रात्रि विश्राम कर 11 जून को प्रात: 09 बजे कोरबा विश्राम गृह से जांजगीर जिले के पंतोरा में भारत माला प्रोजेक्ट के सड़क निर्माण के निरीक्षण हेतु प्रस्थान करेंगे।

### बिलासपुर संभाग के हारे हुए 11 सीटें जीतने रणनीति के साथ आगे बढ़ रहे: मरकाम

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में सभी राजनीतिक पार्टियां आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने टिकट को लेकर कहा कि सर्वे के बाद हाईकमान नाम तय करता है. सर्वे के टॉप 3 नामों पर हम विचार करते हैं. बाकी हमारे साथी उन्हें जीतने में लग जाएं। मरकाम ने कहा, बिलासपुर संभाग के 11 सीटें पिछले चुनाव में हम हारे थे. उन्हें कैसे जीतना है, इस रणनीति के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं. अभिभावक की भूमिका होती है, जो भी संगठन और पार्टी हित में है वह निर्णय लेते हैं। बीजेपी के पुरखौती सम्मान यात्रा पर प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा, 15 साल तक बीजेपी ने आदिवासियों की उपेक्षा की थी. आदिवासी गौरव की उपेक्षा की थी और जननायकों के गौरव की उपेक्षा की थी. बीजेपी निश्चित हार देखकर पुरखौती सम्मान यात्रा निकालने का प्रयास कर रही है.मरकाम ने कहा, प्रदेश सरकार ने आदिवासियों का सम्मान बढ़ाने का काम किया है. 15 साल जिनको मौका मिला वह कुछ नहीं कर पाए. केवल उनके नाम पर वोट बटोरने का काम करते हैं. यह यात्रा निकालने से कुछ नहीं होगा।

### अभा हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज के समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री बघेल दल्लीराजहरा में अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज के 83 वें स्थापना दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल कार्यक्रम स्थल में सर्वप्रथम हल्बा समाज की आराध्य देवी माता दंतेश्वरी, छत्तीसगढ़ महतारी, महान क्रांतिकारी एवं आदिवासी जन नायक बिरसा मुंडा और शहीद गैंदसिंह के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यर्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा भी उपस्थित हैं। हल्बा, हल्बी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र महला ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए समाज के सांगठनिक ढांचा एवं विशेषताओं के संबध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम को पूर्व विधायक श्री डोमेन्द्र भेडिया ने भी संबोधित किया।

### 13 जून को कांग्रेस का सरगुजा संभाग सम्मेलन

**रायपुर।** बसंत, खरसिया रोड, अंबिकापुर में सुबह 11 बजे किया गया है, जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रदेश प्रभारीगण डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, संयुक्त सचिव विजय जांगिड़ एवं समस्त मंत्रीगण छत्तीसगढ़ शासन, समस्त सदस्यगण लोकसभा एवं राज्यसभा तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिवगण राजेश तिवारी, विकास उपाध्याय, पारस चोपड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

### श्यामनगर क्षेत्र में डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन

**रायपुर।** श्यामनगर क्षेत्र में डामरीकरण कार्य

का भूमिपूजन नगर निगम के अध्यक्ष प्रमोद दुबे व पार्षद शीतल कुलदीप सहित वार्ड वासियों की मौजूदगी में किया गया। श्री दुबे ने बताया कि श्यामनगर क्षेत्र की सभी गलियों में डामरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया,ताकि रहवासियों को सुविधा मिल सके जिनके लिए वे काफी समय से मांग कर रहे थे। इस मौके पर वार्ड के गणमान्य नागरिक संत सिंह कोहली,जगदीश कलश,तेज कुमार बजाज, इंद्रजीत गहलोत तरसेम सिंह जसवीर सिंह अशोक गोल सहित क्षेत्र के निवासियों ने 15 साल बाद सड़क बनने पर नगर निगम के महापौर एज़ाज़ ढेबर अध्यक्ष प्रमोद दुबे एवं वार्ड पार्षद शीतल कुलदीप गोगा के प्रति आभार व्यक्त किया।

# भ्रष्टाचार के अंतरराष्ट्रीय पितामाह जमीन पर जाकर देखें: बघेल

■ कमीशनखोरी भाजपा सरकार में

**बालोद।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा नेताओं और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान पर पलटवार किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि, हमारी हर योजना में पारदर्शिता है। सीधा सारा पैसा हितग्राही के खाते में जाता है। कमीशनखोरी तो इनकी सरकार में थी। वह हमारी नहीं अपनी बात कर रहे हैं। इनके समय में मोबाइल बांटने, राशन कार्ड बनाने, चप्पल खरीदने सब में कमीशनखोरी होती थी। सीएम ने कहा कि, ट्विटर पर देखने से कुछ नहीं दिखेगा, भ्रष्टाचार के अंतरराष्ट्रीय पितामह जमीन पर जाकर देखें, तो दिखेगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को बालोद के दल्ली राजहरा पहुंचे थे।

### खा-खा कहना छत्तीसगढ़वासियों का अपमान

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के कका की जगह खा-खा मुख्यमंत्री कहने को लेकर भी सीएम बघेल ने निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि, उन्होंने यह संबोधन शब्द खुद नहीं रखा है। साहित्यकार, कवि और पूरी छत्तीसगढ़ की जनता मुझे प्रेम से कका कहकर बुलाती है। यहां बच्चे, युवा हर कोई मुझे कका कहता है। अब तो बड़े बुजुर्ग भी कका कहने लगे हैं। ये छत्तीसगढ़ वासियों का प्रेम है। भाजपा को

कका शब्द को तकलीफ है और केंद्रीय मंत्री इस तरह से बयान दे रहे हैं। इसका मतलब यह है कि वे पूरे छत्तीसगढ़ वासियों का अपमान कर रहे हैं। गिरिराज सिंह कका शब्द का मतलब नहीं जानते हैं।

### ये लोग दो तरह की बातें करते हैं, एक कुछ बोलता है, दूसरा कुछ

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, गिरिराज सिंह आरोप लगा रहे हैं। इनके समय में तो सब में कमीशनखोरी होती थी। गौठान योजना को देखने के लिए गुजरात, मध्य प्रदेश की टीम आई। लोकसभा की चार टीमें आईं। सब देखकर गए, तारीफ कर रहे हैं। गिरिराज सिंह कहते हैं कि नरवा वाले काम में भ्रष्टाचार हुआ है। अभी तीन दिन हुआ देश भर के पीसीसीएफ की कार्यशाला हुई। केंद्र सरकार के एडिशन सेक्रेटरी आए। वो भी तारीफ करके गए। कहा कि, जितना बढ़िया काम छत्तीसगढ़ में हुआ कहीं नहीं हुआ। ये लोग कहते हैं गड़बड़ है। यह लोग दो तरह की बातें करते हैं। एक कुछ बोलेगा दूसरा कुछ। केवल चुनाव के लिए है ये।

### किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि एमएसपी केवल एक छलावा है। यूपीए के समय में निरंतर एमएसपी वृद्धि हुई है। 10 सालों में 130 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई। जबकि भाजपा सरकार में 61 फीसदी वृद्धि हुई है, जो कि आधे से भी कम है। केंद्र की सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने की बात कही थी, लेकिन अब तो कृषि की लागत दोगुनी हो गई। इसके चलते किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, कोदो-कुदकी का भी समर्थन मूल्य घोषित नहीं किया है, केवल रागी का किया है। जबकि छत्तीसगढ़ सरकार ने कोदो-कुदकी का भी समर्थन मूल्य घोषित किया है।

### मुख्यमंत्री का पलटवार, रमन सिंह के क्षेत्र में पूछ लीजिए कितना काम हुआ है, सब बता देंगे

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 के आते-आते सियासत गर्म है। पूर्व सीएम रमन सिंह के बयान पर सीएम भूपेश बघेल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बस्तर चले जाइए, रायगढ़ चले जाइए, सरगुजा चले जाइए। यहां तक कि पूर्व सीएम रमन सिंह के क्षेत्र में भी चले जाइए। रमन सिंह 15 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। उनके विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक संगठनों से पूछ लीजिए, कितना पैसा मिला है। कितनी जमीन उन्हें दी गई है। यह उनसे ही पूछ लीजिए। हमने कहीं भी भेदभाव नहीं

किया। पूर्व सीएम रमन सिंह ने गुरुवार को कहा थी कि सीएम भूपेश बघेल ने एक भी काम नहीं कराया है। जो काम भी हुए हैं वो केंद्र के रुपए के रुपए के बल पर हुआ है। राज्य ने एक भी पैसा नहीं लगाया है। सीएम भूपेश ने पूर्व सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि यदि रमन सिंह अपने क्षेत्र में काम किए होते, तो मुझे वहां पर सड़क निर्माण की स्वीकृति नहीं देनी पड़ती। रमन सिंह के समय में उसी ब्रिज को तोड़ो और उसी ब्रिज को बनाओ। यही हाल होता रहता था। उसी सड़क को फिर से रिपेयरिंग की जाती थी। जो पुल-पुलिया बने हैं, वो भी ढह चुके हैं। रमन सिंह अब दौरे पर जाते नहीं हैं। केवल सुबह-सुबह उठकर बयानबाजी करते हैं। एकाध बार प्रदेश का दौरा किए होंगे। एकाद बार बस्तर और सरगुजा गए होंगे। उसके सिवाय कुछ नहीं किए होंगे। वे अपने बूते पर एक सभा भी नहीं कर पाए। यही उनकी स्थिति है। एमएसपी बढ़ने से किसानों की आय दुगनी होने के सवाल पर कहा कि आय दुगनी नहीं हुई बल्कि लागत दोगुनी हो गई है। डीजल के भाव बढ़ गए हैं। कृषि यंत्र के भाव बढ़ गए हैं। खाद्य दोगुनी हो गई है। उत्पादन में वृद्धि हुई है, लेकिन आय आधी हो गई है। सीएम भूपेश ने कहा कि जहां-जहां कांग्रेस की सरकार है। वहां-वहां लोगों को सक्षम बनाने के लिए योजनाएं ला रहे हैं। जिससे महंगाई और बेरोजगारी से लड़ा जा सके। कांग्रेस पार्टी इस पर काम कर रही है। बीजेपी की ओर से राहुल गांधी को घेरने के सवाल पर सीएम ने कहा कि राहुल गांधी जब भी कुछ बोलते हैं, तो उनके पीछे केंद्र का सारा मंत्रिमंडल लग जाता है। सभी भाजपाई तिलमिला जाते हैं। इसका मतलब साफ है कि राहुल गांधी बीजेपी पर भारी पड़ रहे हैं। जिसकी वजह से बीजेपी वाले लगातार उन पर बयान दे रहे हैं।

## यूनिपोल घोटाले की जांच में लेट लतीफी,12 को फिर बैठक संभव

**रायपुर।** चर्चित यूनिपोल घोटाले के मामले में जांच की प्रक्रिया काफी धीमी गति से चल रही है। प्राथमिक दृष्टया तीन अधिकारियों को निगम से चलता किया गया है इसके अलावे देखें तो अभी तक केवल खानापूर्ति जांच ही नजर आ रही है जबकि मुद्दे की बात यह है कि घोटाले का खुलासा स्वंय महापौर ने किया था। यह तो बता दिया गया है कि नियम विरूद्ध हुआ है सब कुछ और निगम को लगी है कम से कम 50 करोड़ की चपत। अब बता रहे हैं कि फिर से 12 जून को दोनों जांच कमेटियों की साझा बैठक होने वाली है। वहीं जोनों से रिपोर्ट नहीं मिलने की बात भी सामने आ रही है। कार्रवाई ठोस होती है या निगम की छवि के अनुरूप गोलमाल सबको इंतजार है।

निगम में हुए 50 करोड़ के यूनिपोल घोटाले की नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा गठित जांच समिति के अलावा महापौर की अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी भी कर रही है। जांच कमेटी ने निगम के दस जोन के आयुक्तों से भी क्षेत्र में लगे होर्डिंग्स और यूनिपोल की संख्या, आकार, किस आधार

और किस एजेंसी को काम दिया गया है समेत कई जानकारियां मांगी है। बताया जाता है कि दस दिनों से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी जोनों से रिपोर्ट नहीं मिली है, जिससे जांच में तेजी नहीं आ पा रही है।

दोनों जांच कमेटियों की 12 जून को बैठक होने की संभावना जताई जा रही है। जांच कमेटी के एक सदस्य ने बताया कि बैठक में अब तक हुई जांच की प्रगति पर चर्चा की जाएगी। महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी की ओर से कुछ दस्तावेज भी सौंपे जाएंगे। दस्तावेज के आधार पर जांच का काम पूरा होगा तो वास्वतिक नुकसान का भी पता चलेगा। बैठक के बाद दोषियों पर किस प्रकार की कार्रवाई होगी प्रतीक्षा हो रही है।

## रायपुर में कांग्रेस के संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन 11 को

■ तैयारियों का जायजा लेने स्टेडियम पहुंचे कांग्रेस नेता

**रायपुर।** कांग्रेस के संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई है। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आज कांग्रेस मुख्यालय में एक बैठक संपन्न हुई। इसके बाद कांग्रेसजनों ने बलबीर सिंह जुनेजा स्टेडियम का निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि राजधानी रायपुर में 11 जून 2023 को आयोजित होने वाले कांग्रेस के संभागीय सम्मेलन की तैयारियों को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के पूर्व आज रायपुर संभाग के कार्यकर्ता सम्मेलन हेतु राजीव भवन में बैठक आहुत की गई। जिसमें एआईसीसी सचिव चन्दन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रवि घोष के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे जी, एआईसीसी सचिव विकास उपाध्याय, प्रमोद दुबे, एजाज ढेबर, जिला बलौदाबाजार-धमतरी-रायपुर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उद्धव वर्मा, प्रभारी सचिव राजेन्द्र साहू, जितेन्द्र ठाकुर, कन्हैया अग्रवाल, प्रमोद जयसिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ और साथ में बलबीर सिंह जूनेजा स्टेडियम स्थल का निरीक्षण किया गया। आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य बताते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रीति-नीति व सिद्धान्तों एवं राज्य कांग्रेस सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं/उपलब्धियों सहित केन्द्र की भाजपा सरकार के विफ्लताओं को जन-जन तक पहुंचाते हुए आसन्न विधानसभा चुनाव में और अधिक मजबूती के साथ एकजूट होकर ज्यादा से ज्यादा सीटों के साथ मजबूत सरकार बनाने का प्रयास करेंगे।

## दंतेश्वरी मंदिर में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने टेका माथा

■ बोले- बनी रहे मां की कृपा; यहां पीएम मोदी-सेना के नाम की जलती है ज्योत

**दंतेवाड़ा।** इन दिनों केंद्रीय पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह बस्तर दौरे पर हैं। चुनावी साल में उनका दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है। इस बीच वह शुक्रवार सुबह दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंच गए। केंद्रीय मंत्री ने वहां पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद मांगा। पूजन के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, %दिन की शुरुआत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में मां दंतेश्वरी माता के दर्शन से हुई। मां की कृपा हम सब पर बनी रहे। उनके साथ भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे।

अपने चार दिवसीय बस्तर प्रवास के तीसरे दिन केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह दंतेवाड़ा

पहुंचे। यहां पर भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जयस्तंभ चौक पर उनका फूल-माला, पटाखे और गाजे-बाजे से स्वागत किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कलेक्ट्रेट में ग्रामीण विकास, भूमि संसाधन और पंचायती राज अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों के साथ चर्चा की और जमीनी हकीकत से रूबरू हुए।

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी का मंदिर देश-विदेश में विख्यात है। माता के दर्शन को दूर-दूर से श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं। दंतेश्वरी मंदिर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी पूजा-अर्चना कर चुके हैं।

## तेंदूपत्ता संग्रहण के दाम बढ़ने से खुश हैं संग्राहक

**बीजापुर।** वनोपज से वन आश्रितों के जीवन में बेहतर बदलाव आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासियों के हित में काम करते हुए कई यहां कार्य किए हैं। लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य में खरीदी, दाम में बढ़ोत्तरी, कृषि और लघु वनोपजों का संग्रहण, वैल्यू एडिशन जैसे कार्यों से न केवल वनांचल क्षेत्रों में लोगों को रोजगार मिला है बल्कि उनके जीवन में बदलाव भी आ रहे हैं। आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पेयजल, सड़क, सामुदायिक भवनों जैसी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। वनाश्रितों के अधिकारों में भी वृद्धि हुई है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में छत्तीसगढ़ सरकार ने कई कदम बढ़ाए हैं, यही कारण है कि तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के जीवन में खुशहाली की बयार है। तेंदूपत्ता पहले जहां 2500 रुपए प्रति मानक बोरा खरीदा जाता था आज उसे बढ़ाकर 4000 रुपए प्रति मानक बोरे में खरीदा जा रहा है, प्रति मानक बोरा में कल 1500 रुपए की वृद्धि की गई। प्रदेश में अब तक संग्राहकों से तीन चौथाई तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है। राज्य में अब तक

संग्रहित मात्रा में से वनमण्डल बीजापुर में 81 हजार मानक बोरा तथा सुकमा में एक लाख 22 हजार 310 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण शामिल है। इनमें वनमंडल सुकमा में लक्ष्य एक लाख 8 हजार मानक बोरा के विरूद्ध एक लाख 22 हजार 310 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। इसी तरह वनमण्डल दंतेवाड़ा में 15 हजार 630 मानक बोरा, जगदलपुर में 20 हजार 971 मानक बोरा, दक्षिण कोण्डागांव में 18 हजार 608 मानक बोरा तथा केशकाल में 24 हजार 963 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल नारायणपुर में 18 हजार 610 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 90 हजार 649 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 34 हजार 884 मानक बोरा, तथा कांकेर में 33 हजार 342 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह वनमण्डल राजनांदगांव में 60 हजार 588 मानक बोरा, खैरागढ़ में 24 हजार 516 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। बालोद में 19 हजार 17 मानक बोरा, कवर्धा में 32 हजार 346 मानक बोरा, वनमण्डल धमतरी में 20 हजार 584 मानक बोरा, गरियाबंद में 77 हजार 574 मानक बोरा, महासमुंद 70 हजार 720 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार 16 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। वनमण्डल बिलासपुर में 25 हजार 548 मानक बोरा, मरवाही 10 हजार 866 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 6 हजार 883 मानक बोरा, रायगढ़ में 49 हजार 184 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 70 हजार 945 मानक बोरा, कोरबा में 43 हजार 822 मानक बोरा तथा कटघोरा में 58 हजार 806 मानक बोरा का संग्रहण हुआ है।

## 21-22 जून तक बस्तर के रास्ते प्रवेश करेगा मानसून

**रायपुर।** लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दक्षिण पश्चिम मानसून ने केरल तट पर गुरूवार को दस्तक दे दी है। वहीं अब मानसून के 21 या 22 जून तक बस्तर के रास्ते छत्तीसगढ़ पहुंचने के आसार जताए जा रहे हैं। वहीं भीषण गर्मी से झुलस रहे प्रदेशवासियों के लिए यह राहत की खबर है कि 18 जून के बाद से प्री-मानसून की बौछारें शुरू हो सकती है।

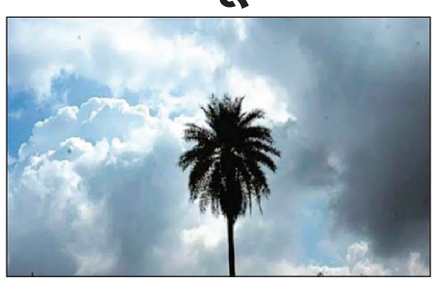

मौसम विभाग की माने तो 22 जून को दक्षिण छत्तीसगढ़ याने बस्तर के रास्ते दक्षिण पश्चिम मानसून की राज्य में एंट्री हो सकती है। इसके बाद मानसून आगे बढ़ते हुए 24 जून तक रायपुर पहुंच सकती है। इस बार मानसून 08 दिनों की देरी से पहुंची है, लिहाजा छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री भी 8 दिन विलंब से हो सकती है। वहीं मौसम विभाग की माने तो यहां माहांत तक मानसून पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा। राहत की बात यह है कि 15 जून के बाद कभी भी प्री-मानसून की तेज बौछारें शुरू हो सकती है। वहीं एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर तटीय आंध्रप्रदेश के ऊपर बना हुआ है। अरब सागर में स्थित साइक्लोन के कारण निम्न स्तर पर हल्की नमी युक्त हवा भी आ रही है। इसके कारण प्रदेश के दक्षिणी भाग में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। वहीं आज दोपहर बाद बस्तर संभाग के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं राजधानी रायपुर सहित अन्य जिलों में अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि संभावित है।

## मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का किया अनावरण

■ छत्तीसगढ़ की अस्मिता, स्वाभिमान और सम्मान की प्रतीक हैं छत्तीसगढ़ महतारी

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज कवर्धा के कलेक्टर कार्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण किया और पुष्पार्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रतिमा अनावरण के उपरांत कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी, छत्तीसगढ़ की अस्मिता, स्वाभिमान और सम्मान का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा लगाई जा रही है ताकि लोगों में अपनी संस्कृति को लेकर चेतना जागृत की जा सके। अपने तीज-त्यौहार, लोक परम्पराओं को जानने-समझने का भावी पीढ़ी को पर्याप्त अवसर मिले, यही हमारा प्रयास है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ के परंपरागत तिहारों का आयोजन किया जा रहा है। तीजा-पोरा, अक्ती, हरेली, छेरछेरा जैसे लोक जीवन के तिहारों को व्यापक स्तर पर मनाने की सार्थक पहल हुई है। बोरे-बासी को आज पूरा देश जानने लगा है। आदिवासी नृत्य महोत्सव, देवगुड़ी का कायाकल्प, आदिवासी परब सम्मान निधि जैसी पहल के माध्यम से जनजातीय संस्कृति को सम्मान दिलाने का काम किया गया है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री चरणदास महंत, वन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर, पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर सहित श्री कन्हैया अग्रवाल, श्री नीलकंठ चंद्रवंशी, नगर पालिका कवर्धा अध्यक्ष श्री ऋषि शर्मा, कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

### मुख्यमंत्री का कवर्धा हेलीपेड पर आत्मीय स्वागत

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का कबीरधाम प्रवास के दौरान कवर्धा के पुलिस लाईन हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों ने आत्मीय स्वागत किया। वन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर एवं जनप्रतिनिधियों ने बैगा एवं आदिवासियों के विशेष श्रृंगार बिरनमाला से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत और पूर्व केंद्रीय

मंत्री कुमारी शैलजा भी कवर्धा पहुंची। पुलिस लाईन हेलीपैड पर पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर, योग आयोग के सदस्य श्री गणेश योगी, क्रेडा के सदस्य श्री कन्हैया अग्रवाल, श्री नीलकंठ चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष कवर्धा श्री ऋषि शर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीमा अगम अनंत, कवर्धा कृषि उपज मंडी अध्यक्ष श्री नीलकंठ चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष श्री चोवा साहू, श्री लालजी चंद्रवंशी, श्री लाल बहादुर चंद्रवंशी, पार्षद नरेन्द्र देवांगन, भीखम कोशाले सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, डीएफओ श्री चूड़ामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने गुलदस्ता भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

# कभी तिनके,कभी पत्ते, कभी खुशबु उड़ा लाई...

रेल हादसे का कारण तो दिखाई देता है,लेकिन हिस्सेदारी लेने के युग में...ज़िम्मेदारी कौन लेगा?रोजगार भी नहीं देना है,किराया भी बढा देना है,बुजुर्गों को किराये में छूट की सब्सिडी भीखा जानी है,सुविधा के नाम पर शुल्क लेना है,बजट भी अलग से नहीं देना है,निजीकरण भी करना है,फोटो भी लगानी है,प्रचार भी करना है पर इन सबके बीच जिम्मेदारी नहीं लेना है...? मोदी युग में रेल जनता की सुविधा के लिये नहीं मुनाफा कमाने के नाम पर संचालित हो रही है?वो दौर और था ज़ब रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री,नीतीश कुमार, ममता बैनर्जी से लेकर सुरेश प्रभु तक रेल हादसों पर इस्तीफे की पेशकस करते थे पर अब समय बदल गया है,वैसे अश्वनी वैष्णव क्यों इस्तीफा दें...? नई रेलों को हरी झंडी तो वो नहीं कोई और दिखता है...?बीते 15 साल में भारतीय रेल में 10 रेल मंत्री बदल गए,लेकिन रेलवे में हादसों की तस्वीर नहीं बदली है।रेल मंत्री से लेकर अधिकारी तक हमेशा हादसों को लेकर ज़ीरो टॉलरेंस की बात करते हैं। पिछले दो दशकों से रेलवे में हादसों को रोकने के लिए कई तकनीक पर विचार ज़रूर हुआ है, लेकिन आज भी एक ऐसी तकनीक का इंतज़ार है जो रेलवे की तस्वीर बदल सके।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पिछले साल यानि मार्च 2022 में सिकंदराबाद के पास %कवच% के ट्रायल में खुद शरीक हुए थे।उस वक़्त यह दावा किया गया था कि कवच भारतीय रेल में हादसों को रोकने की सस्ती और बेहतर तकनीक है।रेल मंत्री ने खुद ट्रेन के इंजन में सवार होकर इसके ट्रायल के वीडियो बनवाए थे।%कवच% स्वदेशी तकनीक हैऔर दावा किया गया था कि इस तकनीक को भारतीय रेल के सभी व्यस्त रूट पर लगाया जाएगा, ताकि रेल हादसों को रोका जा सके,लेकिन इन तमाम दावों के बाद भी रेल हादसों पर रोक नहीं लग पा रही है। यही नहीं रेलमंत्री के दावे के बावजूद ओडिशा में भारतीय रेल के इतिहास के बड़े हादसों में से एक हादसा हो गया....?

## बड़ा रेल हादसा और सीबीआई जाँच....?

बालासोर जैसी दुर्घटनाएं क्या एक दो व्यक्तियों की गलती से होती हैं? क्या यह किसी का व्यक्तिगत अपराध है? क्या यह क्राइम जानबूझ कर किया गया? ये सवाल और भी गंभीर हो गए हैं क्योंकि रेलवे बोर्ड ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पी?म नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर सीबीआई जांच का विरोध किया है। उनके मुताबिक सीबीआई का काम अपराधों की जांच करना है,रेल हादसों की जांच करना नहीं, इसके लिए जरूरी तकनीकी नॉलेज भी सीबीआई के पास नहीं,पीएम मोदी ने दुर्घटनास्थल के दौरे के समय ही घोषणा कर दी थी कि दोषी को कड़ी सजा दी जाएगी। इसका अर्थ है कि सरकार इसे तकनीकी या सिस्टम की नाकामी मानने के बदले इंसानी गलती मान कर चल रही है?निश्चित तौर पर व्यक्ति या व्यक्तियों को दोषी मान लेने के पीछे यह सरकारी मानसिकता काम कर रही है कि रेल की सुरक्षा-व्यवस्था में कोई दोष नहीं है। अगर इसे आंकड़ों और रिपोर्टों की नजर से देखें तो साफ हो जाता है कि सुरक्षा तंत्र में सब कुछ ठीक नहीं है। देश में होने वाले खर्चों पर नजर रखने वाली सर्वोच्च संस्था सीएजी (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) ने ट्रेनों के पटरी से उतरने की घटनाओं पर एक रिपोर्ट छह महीने पहले ही संसद को सौंपी थी। इसमें उसने अप्रैल 2017 से मार्च 2021 के चार सालों की अवधि में हुई दुर्घटनाओं की जांच की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि रेलवे के सभी 16 जोनों को मिलाकर इन दुर्घटनाओं की संख्या 1129 थीं। इसमें मालगाड़ियां और पैसेंजर दोनों तरह की गाड़ियां शामिल हैं। इन 1129 हादसों में सबसे ज्यादा यानी 422 गाड़ियों के पटरी से उतरने की वजह तकनीकी खराबी थी।

गाड़ी पटरी से उतरने की एक प्रमुख वजह पटरियों की खराब हालत रही है

अटलजी की सरकार के समय रेल मंत्री रहे नीतीश कुमार ने इसके लिए एक विशेष सुरक्षा फंड बनाया था।इसके तहत बड़े पैमाने पर पुरानी और जर्जर पटरियों की जगह नई पटरियां लगाने का काम किया गया। इसे मोदी सरकार ने राष्ट्रीय रेल सुरक्षा कोष के नए नाम से फिर से चलाया। लेकिन 2018 में इस पर किए गए 9607 करोड़ रुपये के खर्च में दो साल बाद दो हजार करोड़ रुपये की कटौती कर दी गई।रेल गाड़ियों के टकरा जाने की घटनाओं को रोकने के लिए टकराव प्रतिरोध यंत्रों को लगाने की शुरुआत 2011 मे ही हो गई थी। इसे कोंकण रेलवे के इंजीनियरों ने विकसित किया था। इसे हर रेल नेटवर्क पर लगाने की योजना है। लेकिन काम इतनी धीमी गति से हो रहा है कि इसमें सालों लग जाएंगे...?

## श्रीराम तुम कैसे बड़े, तुम तो मेरे लफड़े में पड़े ..?

भाजपा और श्रीराम एक तरह से पर्याय थे,कभीकभी तो लगता है कि श्रीराम का कापी राईट ही भाजपा ने ले लिया है।पर छग के सीएम भूपेश बघेल ने छग की माता कौशल्या,भांचा राम,राम पथ गमन,गाँवों में रामायण मण्डली,राष्ट्रीय रामायण महोत्सव आयोजित करवाकर भाजपा से उनका श्रीराम का कॉपी राइट मुद्दा छीनकर बैचन कर दिया है। वैसे कांग्रेस के नेता छग के प्रसिद्ध कवि,राजनेता स्व. पवन दीवान ने एक बार कुरुद विधानसभा में तब के कांग्रेस प्रत्याशी गुरुमुख सिंह के चुनाव के प्रचार में तत्कालीन राज्यसभा सदस्य अजीत जोगी के सामने एक गांव की सभा में कहा था वह काफी चर्चा में रहा था...?स्व. पवन दीवान ने कहा था कि एक बार नदी को घमंड हो गया कि वह लंबी बहती है इसलिए वह सबसे बड़ी है।तब भगवान शंकर ने कहा कि तुम तो मेरी %जटा से निकली% हो तुम नहीं, मैं बड़ा हूं, तब पहाड़ ने कहा कि शंकरजी आप कैसे बड़े हैं आप तो मेरी खोह में पड़े हैं आपसे बड़ा मैं हूं। तब वहां से निकल रहे हनुमान जी ने कहा कि पहाड़ तू कैसे बड़ा है,तू तो मेरे हांथों में पड़ा,मैं बड़ा हूं,उनकी बात सुन रहे श्रीराम ने कहा कि हनुमान तू कैसे बड़ा,तू तो मेरे चरणों में पड़ा है,सबसे बड़ा मैं...यह बात भाजपा के नेता लालकृष्ण आडवाणी को तब खल गई उन्होंने कहा कि राम तू कैसे बड़ा... तू तो मेरे लफड़े (श्रीराम मंदिर प्रसंग) में पड़ा...बहरहाल श्रीराम के नाम पर 2 लोकसभा से स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी केन्द्र में सरकार सुको के फैसले के बाद श्रीराम मंदिर निर्माण की तरफ बढ़ी है। छग में तब के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह गंभीर नेता माने जाते थे वो टीका टिप्पणी करने से बचते थे बल्कि हल्की बात भी नहीं कहते थे पर एक बार विकास यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि दशानन (कांग्रेस) से निपटने एक राम ही काफी है। यानि उन्होंने स्वयं को श्रीराम तथा कांग्रेस को दशानन कहा था,हाल ही में रामायण महोत्सव में कांग्रेस को कालनेमी, राक्षस की उपमा भी दी गई। छग में आगामी विस चुनाव में श्रीराम मुद्दा बना रहेगा जबकि देश में राम मंदिर निर्माण का श्रेय लेने का प्रयास करेगी।

## कुछ आईएएस, आईपीएस भी मैदान में उतरेंगे....

छग के कुछ बड़े अफसर अब सेवानिवृत होने के बाद आगामी विस चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने तैयार हैं,बस टिकट मिलने का इंतजार है। वर्तमान में एक पूर्व आईएएस शिशुपाल सोरी कॉंग्रेस से विधायक हैं तो पिछला चुनाव एक अन्य आईएएस ओम प्रकाश चौधरी हार चुके हैं। इन दोनों के अलावा आगामी चुनाव में पूर्व आईएएस सरजियस मिंज,गणेश शंकर मिश्रा, नीलकंठ टेकाम,आर पी एस त्यागी,, बी पी एस नेताम,वर्तमान में सचिव स्तर के एक अफसर भी सेवानिवृति के बाद अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। इधर आईजी पद से सेवानिवृत भारत सिंह, यू आर नेताम भी चुनाव समर में उतर सकते हैं।

## कलेक्टर घर पहुंचे राशन कार्ड देने.....

एक समय था जब कलेक्टर को %लाट साहब% समझा जाता था,उनसे मुलाक़ात या उनकी एक झलक पाने लोग लालायित रहते थे। पर यह कल्पना अभी छत्तीसगढ़ में कोई नहीं कर सकता था कि कोई कलेक्टर किसी के घर राशन कार्ड स्वयं पहुंचाने पहुँच जाए..... पर एक छत्तीसगढ़िया कलेक्टर ने यह कार्य करके भी दिखा दिया। छग सरकार की मुख्यमंत्री मितान योजना से लोगों को घर बैठे हीअपने जरूरी प्रमाण पत्र और दस्तावेज बनकर मिल रहे हैं।रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में कबीर चौक निवासी ओमप्रकाश अग्रवाल ने राशन कार्ड बनवाने 14545 पर कॉल कर 5 जून को दस्तावेज दिया और 7 जून को उनका कार्ड तैयार हो गया। जिसे देने कलेक्टर तारण प्रकाश सिन्हा खुद मितान बनकर ओमप्रकाश अग्रवाल और श्रीमती सुलोचना देवी के घर पहुंचे और उन्हें उनका राशन कार्ड सौंपा।आपकी सरकार आपके द्वार का यह उदाहरण ही तो है....

## और अब बस....

- भाजपा के कौन से विधायक बचपन में रामलीला में रावण बनते थे....?
- सीएम बघेल की मंशानुसार राष्ट्रीय रामायण महोत्सव आयोजन कराने में रायगढ़ कलेक्टर तारण सिन्हा सफल रहे।
- कुछ 21आईएएस के बाद 3/4 एसपी की एक छोटी तबादला सूची भी आने की चर्चा है।
- छग में मानसून 21 जून तक आने की संभावना है?
- विमान में दिल्ली से लंदन का टिकट 33हजार और दिल्ली से भुवनेश्वर का किराया 56 हजार...(आपदा में अवसर..?)

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## पेट्रोल-डीजल में जनता को लूट रही है : मोहन मरकाम

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि मोदी सरकार और पेट्रोलियम कंपनियां संगठित होकर देश की गरीब जनता को पेट्रोल डीजल में लूट रही है देश में महंगाई मोदी निर्मित आपदा है जिससे हर वर्ग हर घर प्रभावित है। कच्चे तेल का भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में 139 डॉलर से घटकर 76 डॉलर में आ गया है इसके

बावजूद देश में पेट्रोल डीजल के दामों में कोई कमी नही करना, मोदी सरकार की मुनाफाखोरी की नीत मूल कारण है। मोदी सरकार लूटो और लूटने दो की पॉलिसी पर काम कर रही है। मोदी सरकार जनता को राहत देने के बजाय पेट्रोल कंपनी को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। केन्द्र सरकार की नैतिकता बनती है जब क्रूड आयल के दाम अंतराष्ट्रीय बाजार में कम हुये है और ऐसे में पेट्रोलियम पदार्थो के दाम भी भारत में भी कम होने चाहिये। मोदी सरकार द्वारा पेट्रोल डीजल के दाम में बेतहासा एक्साइज ड्यूटी की वसूली की जा रही है केन्द्र सरकार के द्वारा, मुनाफाखोरी की जा रही है जो रसोई गैस के दाम में बढ़ोतरी की गयी है उसे तत्काल वापस लेना चाहिये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि यू.पी.ए के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के समय पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी रू. 9.48 तथा डीजल पर रू. 3.56 था जो मोदी राज में बढ़कर पेट्रोल एवं डीजल पर 33 रू. हो गयी है।

## छत्तीसगढ़ सचमुच वह नहीं रहा, जो भाजपा ने गढ़ा था: रंजना

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता व विधायक रंजना साहू ने कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी शैलजा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस प्रभारी ने कम-से-कम यह सच तो स्वीकार कर लिया कि यह बस्तर, यह छत्तीसगढ़ अब वह बस्तर, वह छत्तीसगढ़ नहीं रहा। श्रीमती साहू ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने अपने कुशासन के

कार्यकाल में उस बस्तर और छत्तीसगढ़ को यकीनन तबाह कर दिया है, जिसकी समृद्धि और परस्पर सद्भाव के लिए देशभर में एक विशिष्ट पहचान भाजपा की पूर्ववर्ती प्रदेश सरकार के 15 वर्षों के कार्यकाल में बनी थी। आज तो कांग्रेस ने 'ईडी-सीडी' वाला छत्तीसगढ़ गढ़ने का काम करके छत्तीसगढ़ को देशभर में शर्मसार ही किया है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि निश्चित ही वह बस्तर व छत्तीसगढ़ नहीं रह गया है, जहां भाजपा ने 15 वर्षों में कुपोषण को खत्म किया, स्वास्थ्य सुविधाओं का जाल बिछाया। आज छत्तीसगढ़ को कुपोषण व बेहतर इलाज के अभाव में आदिवासियों, किसानों के 25 हजार मासूम बच्चों की मौत का दर्द साल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाकर बस्तर से लेकर पूरे छत्तीसगढ़ में निरक्षरता व अशिक्षा का अभिशाप मिटाया। भारतीय जनता पार्टी ने 15 वर्षों में गरीबों को मुफ्त और रियायती कीमतों पर अनाज मुहैया कराया।

## भाजपा संस्कृति का अपमान कर रही : धनंजय ठाकुर

**रायपुर।** केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के द्वारा कका को खा खा कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सम्मान से, प्यार से कका पुकारती है और छत्तीसगढ़ की संस्कृति में कका का जो रिश्ता होता है अटूट होता है प्यार, विश्वास, स्नेह, दोस्त और

पालक का रिश्ता होता है। गिरिराज सिंह ने कका नहीं छत्तीसगढ़ का माखौल उड़ाया है। भाजपा लगातार छत्तीसगढ़ संस्कृति का अपमान कर रही। नितिन नवीन ने छत्तीसगढ़ महतारी का अपमान किया था, गिरिराज ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति का। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को कका शब्द का मतलब नहीं मालूम है उन्होंने कका को खा खा कह कर छत्तीसगढ़ियो के द्वारा दी गई सम्मान का उपहास उड़ाया है। प्रदेश के 2 करोड़ 80 लाख जनता का अपमान किया है। भाजपा को गिरिराज सिंह के इस हरकत के लिए माफी मांगनी चाहिए।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव से पूछा क्या भाजपा के केंद्रीय नेताओ को छत्तीसगढ़ियो का अपमान करने बुलाते है? आखिर भाजपा को छत्तीसगढ़ियो से इतनी नफरत क्यो है? जब भाजपा के केंद्रीय नेता छत्तीसगढ़ियो को अपमानित करते है तो अरुण साव को पीड़ा क्यों नही होती?

## तत्काल किसानों को भुगतान किये जाय : संदीप शर्मा

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के नाम पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार के तमाम दावों का फर्जीवाड़ा भी अब सामने आ रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि कबीरधाम (कवर्धा) जिले के 1.11 लाख किसानों को 79.65 करोड़ रुपए जारी किए जाने के दावे की सच्चाई यह है कि 51 हजार किसानों के खाते में एक रुपया तक नहीं आया है! किसानों के साथ छल-कपट कर रही प्रदेश की कांग्रेस सरकार को फिर भी 'भरोसे का सम्मेलन' जैसी सियासी ड्रामेबाजी करने में शर्म महसूस नहीं हो रही है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एक तरफ भरोसे का सम्मेलन कर रहे हैं और न्याय योजनाओं के नाम पर ढोल पीट रहे हैं जबकि दूसरी तरफ किसानों के साथ घोर अन्याय करके उनका भरोसा तोड़ रहे हैं। कबीरधाम जिले के 1.11 लाख किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 79.65 करोड़ रुपए जारी करने के दावे का काला सच यह है कि लगभग 51 हजार किसान अब तक इस राशि से पूरी तरह वंचित हैं। परेशान किसान अब बैंक और कृषि कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए विवश हो रहे हैं। राशि जारी नहीं होने के कारण किसानों का कृषि-कार्य ठप पड़ गया है। इधर सरकारी बैंक के अधिकारी बता रहे हैं कि इस बार रायपुर में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के माध्यम से राशि जारी होने के कारण पूरे प्रदेश के किसान इस समस्या से जूझ रहे हैं।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि परेशान किसान जब बैंक में संपर्क कर रहे हैं तो वे यह जानकर हैरान हो रहे हैं।

## पुरखौती सम्मान की नौटंकी कर रहे : सुशील आनंद शुक्ला

**रायपुर।** पुरखौती सम्मान यात्रा भाजपा की बेशर्म राजनैतिक नौटंकी है। छत्तीसगढ़ में मुद्दों की दिवालियेपन से जूझ रही भाजपा अपना अस्तित्व बचाने इस प्रकार की कवायद कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कौन से पुरखे के सम्मान की बात कर रहे है भाजपा के लोग? अपने खुद के

पुरखे अटल बिहारी वाजपेयी जी की अस्थि कलश सामने रखकर रमन के मंत्री अट्टहास करते रहे। भाजपा के संस्थापक नेताओं में से एक आडवाणी को अपमानित करके तिरस्कृत कर दिया। वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी को जीते जी भुला दिया। छत्तीसगढ़ भाजपा के पितृ पुरूष माने जाने वाले स्व. लखीराम अग्रवाल की गाड़ियों में आग लगवा दिया था। स्व. दिलीप सिंह जुदेव को कितना अपमानित किया किसी से छुपा नहीं है। अपमान की पीड़ा नहीं सह पाने के कारण वरिष्ठ आदिवासी नेता नंद कुमार साय को भाजपा छोड़ना पड़ा। जो अपने खुद के बुजुर्गो का सम्मान नहीं कर पाये वे क्या खाक पुरखों का सम्मान करेंगे? भाजपा की इस बेशर्म नौटंकी को राज्य की जनता समझ रही है।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आखिर कौन से पुरखों के सम्मान की बाते कर रहे भाजपाई? 15 सालो तक आदिवासी और आदिवासी संस्कृति को दबाया गया।

# तरस के लायक कांग्रेस की मानसिकता : गिरीराज

**रायपुर।** केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज्यमंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल में भारत ने विकास की नई ऊचांईयों को छुआ है, विदेशों में भी भारत की साख मजबूत हुई है। आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनिया का नेतृत्व आज भारत कर रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत को ताकत देने का काम प्रधानमंत्री मोदी की कुशल नीतियों ने किया है। मज़बूत हिन्दुस्तान का विदेशी देश झुक कर सम्मान कर रहे हैं।

भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकार वार्ता में केन्द्रीय राज्यमंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बीते नौ वर्ष में मोदी सरकार के निरंतर कार्यों से देश की दशा और दिशा बदल गयी है। विकास, निर्माण, आमजन का जीवन, रोजगार सभी में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत का जीडीपी में योगदान 2014 में 2.6 प्रतिशत था, जो आज 3.2 प्रतिशत हो गया है। देश के बजट में तीन गुना ईजाफा हुआ है। एक्सपोर्ट 2014 में 19 लाख करोड़ था, वर्तमान में करीब 75 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। पहले प्रति दिन 10 से 11 किमी सड़क का निर्माण होता था, अब 38 से 40 किमी सड़क प्रतिदिन बन रही है। विदेशी मुद्रा कोष पूर्व में 37 बिलियन डॉलर था, जो आज 87 बिलियन डॉलर हो चुका है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ को मनरेगा में पहले 11 हजार करोड़ रुपये मिले थे, नौ वर्ष में मोदी सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपये मनरेगा के लिये दिये है। जिसमें 18 हजार करोड़ मौजूदा प्रदेश कांग्रेस सरकार के समय दिये गये हैं। सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की वर्तमान कांग्रेस सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में 10 लाख गरीब परिवारों का हक छिनने का काम किया है, कांग्रेस की ऐसी सोच पर तरस आता है। बस्तर की भूमि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों आरंभ हुई आयुष्मान कार्ड योजना में अभी बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 10 लाख आयुष्मान कार्ड संचालित हो रहे हैं, जिनका लाभ बस्तर वासियों को मिल रहा है।

धान के ताजा समर्थन मूल्य की घोषणा पर कांग्रेस के बयानों पर पलटवार करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री सिंह ने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय 1300 रुपए समर्थन मूल्य था, जिसे मोदी सरकार ने 2200 रुपए तक बढ़ाया है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ढपोरशंख की तरह बर्ताव कर रही है। कांग्रेस ने 2500 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था तो अब उसे किसानों को अपने वादे के मुताबिक अपनी ओर से 2500 और केन्द्र सरकार के 2200 रुपए मिलाकर किसानों को 4700 रुपए प्रति क्विंटल देना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार के पैसे को अपने दलालों पर लुटाने का काम किया है।श्री सिंह ने कहा कि केन्द्र के पैसों पर झूठा श्रेय लेकर प्रदेश की भूपेश सरकार 'माल सारा महाराजा का, होली खेले मिर्जा' की कहावत चरितार्थ कर रही है। न खाता न बही, जो लुटेरा कहे वही सही। आदिवासी संस्कृति को नष्ट करने पर आमादा ऐसी लुटेरी सरकार को उखाड़ फेंकने का वक्त आ गया है। श्री सिंह ने नरवा-गरवा-घुरवा-बारी योजना की जांच कराने का ऐलान भी किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास, हर घर शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से सतत् गरीबों, किसानों और सभी वर्गों के कल्याण का काम अपने नौ साल के कार्यकाल में किया है। केन्द्र सरकार ने आम लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्र सरकार ने किया है। इसी प्रकार दुनिया में भारत का मान-सम्मान और गौरव बढ़ा है। आतंकवाद आज काबू में है। आज सीमा पार से आतंकवाद फैलाने वाले देश को उसके घर में घुसकर करारा जवाब दिया है। श्री साव ने कहा कि केन्द्र से प्रधानमंत्री श्री मोदी जो राशि गांव-गरीब-किसानों के कल्याण के लिए भेज रहे हैं। उसे रोकने के लिए ब्रेकर का काम प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस की सरकार कर रही है। प्रधानमंत्री आवास को रोकने का काम किया है। पक्का मकान हर गरीब का हक है और उसे रोकने वाले ब्रेकर को हटाने का काम छत्तीसगढ़ की जनता को करना होगा। श्री साव ने कहा प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने बिजली बिल हाफ का वादा पूरा नहीं किया, बल्कि बिजली ही हाफ कर दी। आज बिजली बिल देखकर बिजली से ज्यादा करंट प्रदेश की जनता को महसूस हो रहा है। प्रदेश के विकास को रोकने वाले ब्रेकर को उखाड़ फेंकने का वक्त आ गया है।

# पीएससी घोटाले पर युवा मोर्चा करेगा मुख्यमंत्री निवास का घेराव : रवि भगत

**रायपुर।** चुनावी साल में मुद्दों की तलाश में सत्ता और विपक्ष दोनों हैं। कांग्रेस के बेरोजगारी भत्ते के दांव पर बीजेपी ने पीएससी परीक्षा के चयन परिणाम को घोटाले का नाम दिया है। इसके परिणाम आने पर इसमें अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं के सगे संबंधियों के चयन होने पर बीते दिनों बवाल मचा था। जिसे लेकर राजभवन तक शिकायत की थी। भाजपा के युवा मोर्चा अब 19 जून को इसे एक बड़े आंदोलन का स्वरुप देने के लिए मुख्यमंत्री निवास के घेराव का निर्णय लिया है। जिसे अगर सियासी नजरिए से देखने वालों का कहना है कि बीजेपी यह आंदोलन करने जा रही है। ताकि इस मुद्दे के साथ और भी उठाए गए मुद्दों को लेकर माहौल बना रहे। ताकि चुनाव के वक्त इसे और धार दिया जाए।पीएससी चयन परिणाम को लेकर भूपेश बघेल ने कहा था, इस पर अगर कोई ठोस सबूत हो तो बीजेपी वाले दिखाएं। वह कार्रवाई करने को तैयार है। कहा था, क्या किसी नौकरशाह या नेता का बेटा-बेटी होना जुल्म है। ये बीजेपी का प्रोपोगंडा है। लेकिन चयन सूची को लेकर बीजेपी शुरू से ही सवाल खड़े करती रही है। ऐसे में आज भाजपा ने प्रेसवार्ता के जरिए कांग्रेस सरकार पर पीएससी चयन प्रक्रिया को लेकर घेरा ही साथ ही सवाल भी पूछे। आइए जानते हैं क्या कुछ प्रेसवार्ता में बीजेपी ने कहा।पीएससी घोटाले पर युवा मोर्चा करेगा मुख्यमंत्री निवास का घेरावएकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष

रवि भगत ने कहा कि पीएससी घोटाले पर युवाओं के भविष्य की हत्या होते है हम सबने देखा है।भाजपा युवा मोर्चा आपके समक्ष सीजीपीएससी -2021 में व्यापत भ्रष्टाचार को निम्न बिंदुओं में रख रहा है,

वर्ष 2019 ङ्क वर्ष 2023 तक छत्तीसगढ़ की समस्त भर्तियां पूर्णता विवादित रही है प्रत्येक भर्ती परीक्षा के न्याय हेतु राज्य के समस्त प्रतिभावान विद्यार्थियों को माननीय उच्च न्यायालय में अपील करनी पड़ी है। वर्ष 2019-20 में आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा में प्रदेश के सर्वोच्च पद की आसंदी पर विराजित व्यक्ति की पुत्री हेतु विषय के नियमों में बदलाव करवा कर समय समाप्त हो जाने पर भी पुनः आवेदन की प्रक्रिया करवाई गयी तथा परीक्षा का आयोजन करते हुए सीधे परिणाम और मेरिट सूची जारी किया गया और पदस्थापना दी गयी परन्तु आज तक सम्बंधित विषय के अंकों की सूची आयोग द्वारा जारी नहीं किया गया। वर्ष 2019-20 में आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा में प्रदेश के कई महत्वपूर्ण पदों पर आसीन मंत्रियों एवं अधिकारियों के सम्बन्धियों की नियुक्तियां किये जाने का आरोप लगाया गया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.